वर्ष-10 अंक-276 पृष्ठ- 8 मूल्यः 3 रूपये

प्रयागराज, शुक्रवार 17 जनवरी 2025

TM

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

प्रयागराज से प्रकाशित एवं सम्पूर्ण भारत वर्ष में प्रसारित

Download From Google Play

Adhunik Samachar

नगर संस्करण

आधुनिक समाचार नेटवर्क

संक्षिप्त समाचार

भारतीय तटरक्षक बल ने दिखाया अदम्य साहस, लापता नाव से 54 यात्रियों को बचाया

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नई दिल्ली। भारतीय तटरक्षक बल ने बुधवार को अपना अदम्य साहस दिखाते हुए लक्षद्वीप में मोहम्मद कासिम-घ्घ् नाम के एक लापता नाव में सवार 54 यात्री को बचाया। इस नाव में 22 महिलाएं, 9 पुरुष, 3 नवजात

और 20 बच्चे सवार थे। लक्षद्वीप से एक बड़ी खबर सामने आ रही है। जहां भारतीय कोस्ट गार्ड (आईसीजी) शीप ने केंद्र शासित प्रदेश लक्षद्वीप में मोहम्मद कासिम-घ्घ् नाम के एक लापता नाव से 22 महिलाओं और 23 बच्चों समेत 54 यात्रियों को सुरक्षित बचाया है। यह नाव कावारत्ती से सुहेलीपार द्वीप जाते समय लापता हो गई थी। भारतीय कोस्ट गार्ड के द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार कावारत्ती से सुहेलीपार द्वीप जाने वाली नाव के बारे में मंगलवार को दोपहर ढाई बजे लक्षद्वीप प्रशासन ने कोस्ट गार्ड मुख्यालय को सूचना दी। दी जानकारी में बताया गया कि एक नाव 54 यात्रियों और 3 चालक दल के साथ लापता हो गई है।

रक्षा मंत्री ने रणनीतिक स्वायत्तता के लिए आत्मनिर्भरता पर दिया जोर

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 2047 तक विकसित भारत के सपने को साकार करने के लिए मजबूत सुरक्षा व्यवस्था, मजबूत सेना और सुरक्षित सीमाओं की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि रणनीतिक स्वायत्तता हासिल करने के लिए आत्मनिर्भरता जरूरी है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार को कहा कि कई देशों में 'गैर-सरकारी तत्वों' का उभरना और उनका आतंकवाद का सहारा लेना 'चिंता का विषय' है। यहां 77वें सेना दिवस के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम में अपने संबोधन में रक्षा मंत्री ने यह भी कहा कि संघर्ष और युद्ध अधिक हिंसक तथा अप्रत्याशित हो जाएंगे। उन्होंने कहा कि शांति बनाए रखने के लिए ताकत जरूरी है।

आतंकी गतिविधियों से भारत-अमेरिका के सुरक्षा हितों को नुकसान, उच्चस्तरीय समिति की रिपोर्ट में खुलासा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नई दिल्ली। गृह मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि लंबी जांच के बाद समिति ने एक व्यक्ति के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की सिफारिश की है। इसके पिछले को नुकसान पहुंचा है। जांच का आदेश खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की कोशिश भारतीय एजेंटों की ओर से किए जाने के अमेरिका के आरोपों के बाद दिया गया था।गृह मंत्रालय

आपराधिक संबंध और पृष्ठभूमि भी जांच के दौरान सामने आई थी। एक उच्चस्तरीय जांच समिति ने आतंकवादी गुटों और कुछ संगठित आपराधिक समूहों की गतिविधियों पर अपनी रिपोर्ट सरकार को पेश की है। रिपोर्ट के अनुसार, आतंकी गुटों और संगठित आपराधिक समूहों की गतिविधियों से भारत और अमेरिका दोनों के सुरक्षा हितों ने एक बयान में कहा कि लंबी जांच के बाद समिति ने एक व्यक्ति के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की सिफारिश की है। इसके पिछले आपराधिक संबंध और पृष्ठभूमि भी जांच के दौरान सामने आई थी। हालांकि, मंत्रालय के बयान में किसी ऐसे व्यक्ति का नाम नहीं बताया गया जिसके खिलाफ कार्रवाई की बात कही गई है। विज्ञापन मंत्रालय ने कहा कि भारत और अमेरिका दोनों के सुरक्षा हितों को नुकसान पहुंचाने वाले कुछ संगठित आपराधिक समूहों, आतंकवादी गुटों, ड्रग्स तस्करों आदि की गतिविधियों के बारे में अमेरिकी अधिकारियों से जानकारी मिलने पर केंद्र सरकार ने नवंबर 2023 में उच्चाधिकार प्राप्त जांच समिति गठित की थी। एजेंसी समिति ने अपनी जांच की और अमेरिका की ओर से दिए गए सुरागों पर भी काम किया। इस दौरान दोनों पक्षों ने दौरे भी किए। समिति ने विभिन्न एजेंसियों के कई अधिकारियों से पूछताछ की और इस संबंध में प्रासंगिक दस्तावेज की भी जांच की। समिति ने सिफारिश की है कि कानूनी कार्रवाई तेजी से पूरी की जानी चाहिए। बयान में कहा गया कि समिति ने प्रणालियों और प्रक्रियाओं में कार्यात्मक सुधार की सिफारिश की है तथा ऐसे कदम उठाने की भी सिफारिश की है, जिससे भारत की प्रतिक्रिया क्षमता मजबूत हो सके, इस तरह के मामलों से निपटने में व्यवस्थित नियंत्रण और समन्वित कार्रवाई सुनिश्चित हो सके।

मोटापा जांच का पैमाना वजन लंबाई का अनुपात न हो

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नई दिल्ली। भारत सहित पूरी दुनिया के लिए स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने नया नजरिया रखा है। इसके तहत मोटापे की पहचान के लिए सिर्फ बॉडी मास इंडेक्स (बीएमआई) जांच काफी नहीं है। यह एक

सहायक निगरानी उपकरण हो सकता है लेकिन रोग पहचान के लिए यह एकमात्र तरीका नहीं होना चाहिए। मोटापे के इलाज में भारत सहित पूरी दुनिया के लिए स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने नया नजरिया रखा है। इसके तहत मोटापे की पहचान के लिए सिर्फ बॉडी मास इंडेक्स (बीएमआई) जांच काफी नहीं है। यह एक सहायक निगरानी उपकरण हो सकता है लेकिन रोग पहचान के लिए यह एकमात्र तरीका नहीं होना चाहिए। इसके बजाय, डॉक्टर किसी मरीज में अतिरिक्त वसा और शरीर में वितरित होने की प्रक्रिया का आकलन करके बीमारी की पुष्टि कर सकते हैं।उदाहरण के लिए शरीर में मोटापे का पता लगाने के लिए कमर की माप, कमर से कूल्हे का अनुपात कमर से ऊंचाई का अनुपात जैसे अन्य तरीकों का भी उपयोग करना चाहिए। मौजूदा समय में हो यह रहा है कि डॉक्टर मरीज में मोटापे की जांच के लिए बीएमआई के अनुमान पर भरोसा कर रहे हैं जबकि अब नया नजरिया कहता है कि उनका यह आकलन हमेशा सही तस्वीर पेश नहीं करता जिससे गलत जांच हो सकती है और उससे मरीजों को नुकसान पहुंच सकता है।दरअसल बॉडी मास इंडेक्स यानी बीएमआई की गणना किसी व्यक्ति के कुल वजन और लंबाई का अनुपात निकालकर शरीर में फैट यानी मोटापा की मात्रा का अनुमान लगाया जाता है। साल 2009 में मोटापा की पहचान में इस गणना के इस्तेमाल का दृष्टिकोण सामने आया लेकिन करीब 15 साल के लंबे अनुभव और बीमारी के प्रति नई जानकारियां एकत्रित करने के बाद स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने अब इसे नाकाफी बताया है।

गृह मंत्री आज गुजरात के वडनगर को देंगे 300 करोड़ की सौगात

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नई दिल्ली। पुरातत्व संग्रहालय जनता को करेंगे समर्पितकेंद्रीय संस्कृति मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि पुरातत्व अनुभवात्मक संग्रहालय 12,500

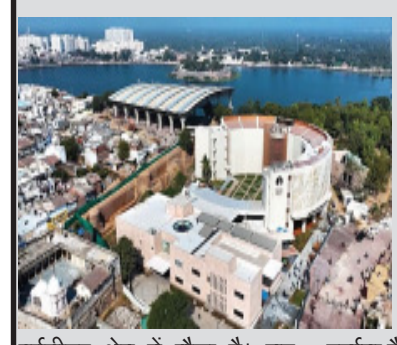

वर्गमीटर क्षेत्र में फैला है। यह 2,500 साल से पुराने समृद्ध सांस्कृतिक इतिहास और निरंतर मानव निवास के क्रम को उत्खनन किए गए पुरातात्विक प्रमाणों को दर्शाता है। गृह मंत्री अमित शाह बृहस्पतिवार को 298 करोड़ रुपये की लागत से तैयार पीएम के गृहनगर वडनगर में पुरातत्व अनुभवात्मक संग्रहालय का उद्घाटन करेंगे। इसके अलावा वह करीब 35 करोड़ से तैयार वडनगर स्पोर्ट्स कांप्लेक्स भी जनता को समर्पित करेंगे। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यात्रा पर एक फिल्म का भी विमोचन किया जाएगा। इसके अलावा गृह मंत्री वडनगर में विरासत परिसर विकास योजना, शहरी सड़क विकास और सौन्दर्यीकरण कार्यक्रम की भी अध्यक्षता करेंगे।केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि पुरातत्व अनुभवात्मक संग्रहालय 12,500 वर्गमीटर क्षेत्र में फैला है। यह 2,500 साल से पुराने समृद्ध सांस्कृतिक इतिहास और निरंतर मानव निवास के क्रम को उत्खनन किए गए पुरातात्विक प्रमाणों को दर्शाता है। यह भारत में विकसित अपनी तरह का पहला ऐसा संग्रहालय है, जहां आगंतुकों को पुरातात्त्विक स्थल का अनुभव होगा। इस संग्रहालय में मिट्टी के बर्तनों, शंख निर्माण (उत्पाद और कच्चा माल), सिक्के, आभूषण, हथियार, औजार, मूर्तियां, खेल सामग्री तथा जैवक सामग्री जैसे खाद्यान्न, डीएनए और कंकाल अवशेषों से संबंधित लगभग 5,000 से अधिक कलाकृतियां प्रदर्शित की गई हैं। नौ विषयगत दीर्घाओं वाले इस संग्रहालय में 4,000 वर्गमीटर के क्षेत्र में फैला उत्खनन स्थल है।

सेना दिवस परेड में पहली बार दिखा महिलाओं का अग्निवीर दस्ता, रोबोटिक खच्चरों ने भी लिया भाग

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नई दिल्ली। सेना दिवस परेड बॉम्बे इंजीनियरिंग ग्रुप (बीईजी) और सेंटर में हुई, जो सेना की दक्षिणी कमान के अंतर्गत आता है। पुणे ने पहली इस दौरान, सेना ने अपनी सैन्य ताकत को कुछ नवीनतम तकनीकों के जरिए प्रदर्शित किया, और कार्यक्रम के दौरान नवोदित कैडेट्स ने भी खूब सुर्खियां बटोरीं। एनसीसी

बार इस प्रतिष्ठित परेड की मेजबानी की। महाराष्ट्र के पुणे में बुधवार को आयोजित 77वीं सेना दिवस परेड इस बार काफी अलग और भव्य दिखाई दी। परेड में पहली बार महिलाओं का अग्निवीर दस्ता, राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) की महिला मार्चिंग टुकड़ी और रोबोटिक खच्चरों के समूह ने भाग लिया। की बालिका कैडेट्स और बेंगलुरू में कोर ऑफ मिलिट्री पुलिस (सीएमपी) में प्रशिक्षण लेने वाली महिला अग्निवीर बहुत खुश थीं। यह वार्षिक परेड पुणे के बॉम्बे इंजीनियरिंग ग्रुप (बीईजी) और सेंटर में हुई, जो सेना की दक्षिणी कमान के अंतर्गत आता है। पुणे ने पहली बार इस प्रतिष्ठित परेड की मेजबानी की।सोलापुर जिले की अग्निवीर घुगरे समीक्षा विनोद ने कहा कि यह हमारे लिए एक विशेष दिन है। हमने पिछले नवंबर में सीएमपी प्रशिक्षण पूरा किया और पिछले महीने से परेड के लिए अभ्यास कर रहे हैं। हमने इसके लिए बहुत मेहनत की थी। हमें गर्व महसूस हुआ। लोगों ने भी हमारा उत्साहवर्धन किया। अग्निवीर अंकिता पुजारी बसवराज ने कहा कि जब वे पुरुष टुकड़ियों की तुलना में खुद को देखते हैं और महसूस करते हैं कि वे उनकी तरह मार्च कर सकते हैं, तो इससे उनका जोश बढ़ता है। उन्होंने बताया कि महिला अग्निवीरों ने हरे और लाल रंग की टोपी के साथ काली वर्दी पहन रखी थी, जबकि एनसीसी कैडेट्स ने खाकी वर्दी और लाल टोपी पहनी हुई थी। नैना रावत, जो बालिका कैडेट्स की टुकड़ी की कमांडर थीं, ने कहा कि हमें गर्व महसूस हो रहा है। हम एनसीसी बालिका कैडेट्स का पहला बैच हैं, जिन्होंने इस परेड में हिस्सा लिया।

ब्रह्मोस मिसाइलों का एक साथ लॉन्च, दुश्मन के इलाके में गहरे लक्ष्य भेदने की परखी गई क्षमता

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नई दिल्ली। ब्रह्मोस को दो नदियों के नाम से मिलाकर बनाया गया है। भारत की ब्रह्मपुत्र और रूस की मोस्कवा नदी के नाम पर इस मिसाइल का नाम रखा गया है। इस मिसाइल को बनाने में भारत और रूस दोनों का योगदान है। भारतीय सेना के पश्चिमी कमान ने बताया कि कमांडर-इन-चीफ, अंडमान और निकोबार कमांड और

जीओसी खड़गा कोर ने ब्रह्मोस मिसाइलों का सटीक तरीके से एक साथ लॉन्च देखा। इस दौरान दुश्मन के इलाके में गहरे लक्ष्य को भेदने की उनकी क्षमताओं को अच्छे से परखा गया। ब्रह्मोस को दो नदियों के नाम से मिलाकर बनाया गया है। भारत की ब्रह्मपुत्र और रूस की मोस्कवा नदी के नाम पर इस मिसाइल का नाम रखा गया है।

भारत की सुरक्षा की आधारशिला बनकर खड़ी सेना

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नई दिल्ली। सीडीएस अनिल चौहान ने कहा कि हमारे जवानों को बेहतरीन तकनीकी कौशल से लैस करना समय की मांग है। इस दौरान उन्होंने ड्यूटी के दौरान सर्वोच्च बलिदान देने वाले सेना के जवानों के प्रति भी आभार व्यक्त किया।चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान ने सेना द्वारा प्रौद्योगिकियों और रणनीति से लैस करने की आवश्यकता पर बल दिया है। उन्होंने बुधवार को सेना दिवस पर अपने संदेश में कहा कि आधुनिक युद्धकला तेजी से विकसित हो रही है। ऐसे में भारतीय सेना को विरोधियों से आगे रहने के लिए खुद को नए युग की प्रौद्योगिकियों और रणनीति से लैस करने की जरूरत होगी।उन्होंने कहा कि अदम्य साहस की भावना और व्यावसायिकता भारतीय सेना को परिभाषित करती है। भारतीय सेना

भारत की सुरक्षा और एकता की आधारशिला है। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ ने कहा कि भारतीय सेना की विरासत चुनौतियों से निपटने, संप्रभुता बनाए रखने और निस्वार्थ भाव से देश की सेवा करने की उसकी विश्वसनीय क्षमता पर बनी है। इस दौरान उन्होंने भारतीय सेना की सराहना करते हुए कहा कि उच्च स्तर की तत्परता बनाए रखने, परिचालन क्षेत्र में उत्कृष्टता हासिल करने और सभी परिस्थितियों में हमारे नागरिकों की सुरक्षा और कल्याण सुनिश्चित करने में हमारे जवानों का अथक प्रयास सराहनीय हैं। इस दौरान उन्होंने युद्ध की बदलती गतिशीलता और सेना में प्रौद्योगिकी के बढ़ते उपयोग पर भी बात की। जनरल चौहान ने कहा कि प्रौद्योगिकी में प्रगति और भू-राजनीतिक गतिशीलता में बदलाव के कारण आधुनिक युद्ध तेजी से विकसित हो रहा है। ऐसे में साइबर,अंतरिक्ष क्षेत्रों सहित नए क्षेत्रों में संघर्ष तेजी से बढ़ रहे हैं।उन्होंने कहा कि नए युग की प्रौद्योगिकियां और अवधारणाएं जैसे कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता और स्टील्थ और हाइपरसोनिक प्रौद्योगिकियों द्वारा समर्थित सेलेरिटी केंद्रित वारफेयर, और स्वायत्त वाहनों द्वारा संचालित रोबोटिक्स भविष्य के युद्धों को कैसे लड़ा जाएगा, इसे बदल रहे हैं।

ट्राई ने जीबीबी के लिए पेश किया नया विनियामक ढांचा, चैनल डिलीवरी में तकनीकी सुधार का रखा लक्ष्य

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नई दिल्ली। भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने बुधवार को एक नई सिफारिश की

है। इसके तहत ग्राउंड-बेस्ड ब्रॉडकास्टर्स (जीबीबी) के लिए एक नया नियम तैयार किया गया है, ताकि टेलीविजन चैनल्स को वितरकों तक और बेहतर तरीके से पहुंचाया जा सके। भारत में सैटेलाइट टेलीविजन चैनलों की अपलिंकिंग और डाउनलिंकिंग के लिए दिशानिर्देश 2022 में जारी किए गए थे। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के मुताबिक, इन दिशानिर्देशों में टीवी प्रसारण सेवाओं के लिए नियम और शर्तें शामिल हैं। इससे जुड़े ताजा घटनाक्रम में ट्राई ने ग्राउंड-आधारित प्रसारकों के लिए नए नियामक ढांचे का प्रस्ताव रखा है। नए नियामक ढांचे के तहत टीवी प्रसारक अब अपने टेलीविजन चैनलों को स्थलीय रूप से वितरण प्लेटफॉर्म ऑपरेटरों (डीपीओ) को भी उपलब्ध करा सकेंगे। भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने सिफारिश की है कि जीबीबी का दायरा वितरण प्लेटफार्म ऑपरेटरों (डीपीओ) को स्थलीय संचार माध्यम का उपयोग करके टेलीविजन चैनल उपलब्ध कराना होना चाहिए। टीवी सेवा प्रदाता तकनीकी प्रगति का पूरी तरह से लाभ उठा सकें, इस मकसद से ट्राई ने 'ग्राउंड-बेस्ड ब्रॉडकास्टर्स' (उँ) के लिए बुधवार को विनियामक ढांचा' पेश किया। ट्राई की तरफ से पेश इस परामर्श में कहा गया है कि जीबीबी को इस बात के लिए सक्षम बनाया जाना चाहिए कि वे स्थलीय संचार माध्यम का उपयोग करके वितरण प्लेटफार्म ऑपरेटरों (डीपीओ) को दोबारा प्रसारण के लिए टेलीविजन चैनल उपलब्ध करा सकें। ट्राई की सिफारिशों के बाद अब स्थलीय संचार प्रौद्योगिकी जैसे वायरलाइन (केबल/फाइबर) या वायरलेस (सेलुलर/माइक्रोवेव/वाई-फाई)/इंटरनेट/क्लाउड का इस्तेमाल कर स्थलीय रूप से प्रसारित चैनलों को एक साथ कई डीपीओ नेटवर्क पर ले जाया जा सकेगा। इसकी मदद से कार्यक्रमों का दोबारा प्रसारण किया जा सकेगा।

जाली नोट तस्करी मामले में चार दोषी, पांच साल का कठोर कारावास

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नई दिल्ली। नागपुर की राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने 16 जनवरी, 2020 को 13 लाख 67 हजार 500 रुपये मूल्य के जाली नोट जब्त किए गए थे। साथ ही चार आरोपी लालू खान, महेश बागवान, रणधीर सिंह ठाकुर और रितेश रघुवंशी को गिरफ्तार किया था। जाली भारतीय नोट मामले में

बुधवार को एनआईए अदालत ने चार लोगों को पांच साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई। कोर्ट ने प्रत्येक पर 3,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया है। इस मामले में कुल पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया गया था।बता दें कि नागपुर राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने 16 जनवरी, 2020 को 13 लाख 67 हजार 500 रुपये मूल्य के जाली नोट जब्त किए गए थे और चार आरोपी लालू खान, महेश बागवान, रणधीर सिंह ठाकुर और रितेश रघुवंशी को गिरफ्तार किया था। इसके बाद एनआईए ने जांच अपने हाथ में ली और 10 फरवरी, 2020 को मामला दर्ज किया।एनआई द्वारा जारी बयान में बताया गया कि पश्चिम बंगाल के मालदा निवासी सोहराब होसेन को आरोप पत्र में वांछित दिखाया गया था। एनआईए ने 29 जून 2020 को होसेन को गिरफ्तार किया और उसी साल 24 सितंबर को पूरक आरोप पत्र दाखिल किया। जांच में पता चला कि होसेन भारत-बांग्लादेश सीमा पर नकली नोटों और फेंसेडिल कफ सिरप की तस्करी में शामिल था। साथ ही बयान में कहा गया कि होसेन की लखनऊ जेल में मौत हो गई। अन्य सभी आरोपियों ने अदालत में अपना अपराध स्वीकार कर लिया, जिसके बाद अदालत ने उन्हें पांच साल की सजा सुनाई और प्रत्येक पर 3,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया।

अमरेली में सात साल की बच्ची को तेंदुए ने मार डाला

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नई दिल्ली। राजुला विधायक हीरा सोलंकी ने बताया कि उन्होंने वन विभाग के अधिकारियों से तेंदुए को तुरंत पिंजरे में लेने के लिए कार्रवाई करने को कहा है। गुजरात के अमरेली जिले में एक तेंदुए ने सात साल की बच्ची को मार डाला। तेंदुए को पकड़ने के लिए

अधिकारियों को जाल बिछाना पड़ा। चित्रासर गांव में रविवार की शाम में बच्ची कपास के खेत में अपने माता पिता की मदद कर रही थी, तभी तेंदुए ने उस पर हमला कर दिया। लड़की के गले में गहरी चोट लगी। उसे इलाज के लिए जाफराबाद के अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसकी मौत हो गई। वन विभाग ने तेंदुए को पकड़ने के लिए आठ टीम का गठन किया। राजुला विधायक हीरा सोलंकी ने बताया कि उन्होंने वन विभाग के अधिकारियों से तेंदुए को तुरंत पिंजरे में लेने के लिए कार्रवाई करने को कहा है। उन्होंने कहा, मैंने यह भी मांग की है कि सरकार सक्रिय कार्रवाई कर। तेंदुए को पिंजरे में बंद करेऔर उन्हें वन क्षेत्रों में स्थानांतरित कर दे, ताकि मानव-पशु संघर्ष से बचा जा सके। तेंदुए के हमले बढ़ने से गांव वाले डरे हुए हैं। वे कपास के खेतों में भी जाने से पहले दो बार सोचते हैं। इस बीच सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने गुजरात के कच्छ जिले में जमीनी सीमा के जरिए भारत में घुसने की कोशिश कर रहे एक पाकिस्तानी नागरिक को पकड़ा है। बीएसएफ ने एक विज्ञप्ति में बताया कि पड़ोसी देश का यह व्यक्ति रविवार को हरामी नाला के उत्तर में एक इलाके से सीमा पार करने की कोशिश कर रहा था। बताया गया कि 12 जनवरी को सतर्क बीएसएफ जवानों ने एक पाकिस्तानी नागरिक को अंतरराष्ट्रीय सीमा पार करते हुए कच्छ में हरामी नाला के उत्तर में इलाके से भारतीय क्षेत्र में प्रवेश करते देखा। बीएसएफ जवानों ने तुरंत उस व्यक्ति को चुनौती दी और उसे पकड़ लिया।

भाजपा नेता को पुलिस ने थाने में बंद करके पीटा, आधी रात दो विधायक, महापौर, एमएलसी धरने पर बैठे

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
प्रयागराज। भाजपा अनुसूचित मोर्चा के प्रदेश सह-कोषाध्यक्ष मनोज पासी ने झूंसी थानेदार और अन्य पुलिसकर्मियों पर उनकी थाने में बंदकर पिटाई करने का आरोप झूंसी थाने पहुंचे। देर रात तक पुलिस अफसरों और भाजपाइयों में वार्ता चलती रही। कोई नतीजा नहीं निकल सका था। भाजपाई झूंसी थानेदार के निलंबन की मांग कर रहे थे। यमुनापार के पूर्व जिलाध्यक्ष अन्य पुलिसकर्मियों के निलंबन की मांग कर रहे थे।भाजपा नेताओं को पीटे जाने का प्रकरण बृहस्पतिवार को यहां पहुंच रहे डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य के सामने उठेगा। पार्टी नेताओं ने इसकी तैयारी कर ली

लगाया। मामला तूल पकड़ा तो भाजपाई आक्रोशित हो उठे। घटना के बाद चमनगंज चौकी इंचार्ज संतोष कुमार सिंह, दरोगा शिवराम यादव, जग नारायण और मुख्य आरक्षी पारस यादव को निलंबित कर दिया है। झूंसी थाना प्रभारी उपेंद्र प्रताप सिंह के खिलाफ भी जांच के आदेश दिए गए हैं। भाजपा अनुसूचित मोर्चा के प्रदेश सह-कोषाध्यक्ष मनोज पासी ने झूंसी थानेदार और अन्य पुलिसकर्मियों पर उनकी थाने में बंदकर पिटाई करने का आरोप लगाया। मामला तूल पकड़ा तो भाजपाई आक्रोशित हो उठे। रात में महापौर, दो विधायक, एमएलसी और जिलाध्यक्ष समेत भारी पार्टी कार्यकर्ताओं ने झूंसी थाने का घेराव किया। डीसीपी अभिषेक भारती ने बताया कि घटना के बाद तथ्यों के आधार पर चमनगंज चौकी इंचार्ज संतोष कुमार सिंह, दरोगा शिवराम यादव, जग नारायण और मुख्य आरक्षी पारस यादव को निलंबित कर दिया गया है। साथ ही इनके खिलाफ विभागीय जांच बिठा दी गई है। इसके अलावा झूसी थाना प्रभारी उपेंद्र प्रताप सिंह के खिलाफ भी जांच के आदेश दिए गए हैं। सूचना पर एसीपी विमल किशोर मिश्र मौके पर पहुंचे तो सभी ने उनसे वार्ता से इन्कार कर दिया। तब डीसीपी नगर अभिषेक भारती विभवनाथ भारती ने बताया कि बुधवार को प्रदेश सह कोषाध्यक्ष मनोज पासी के भाई की दीवार बनाने से रोकने झूंसी थाने की पुलिस गई थी। इस पर मनोज पासी व उनके भाई को गाली दी गई। कुछ देर बाद मनोज पासी झूंसी थाने में गालीगलौज को लेकर पूछने थानेदार उपेंद्र प्रताप सिंह के पास पहुंचे तो उन्होंने अन्य पुलिसकर्मियों के साथ मिलकर उनकी लात-घूसों से पिटाई कर दी। पुलिस की पिटाई से वह बेहोश हो गए। बाद में उन्हें अस्पताल ले जाया गया। बाद में मनोज पासी ने एक वीडियो के जरिये आपबीती बताई। वीडियो में बताया गया कि उनके सिर के बाल नोचकर पिटाई की गई। वीडियो वायरल होने के साथ ही जानकारी भाजपाइयों को हुई तो खलबली मच गई। रात आठ बजे महापौर गणेश केसरवानी, फूलपुर विधायक दीपक पटेल, उत्तरी विधायक हर्षवर्धन वाजपेयी, एमएलसी सुरेंद्र चौधरी, गंगापार अध्यक्ष कविता पटेलए पूर्व एमएलसी निर्मला पासवान समेत सैकड़ों कार्यकर्ता झूंसी थाने पहुंच गए। एसीपी विमल किशोर मिश्र थाने पहुंचे तो महापौर और विधायकों ने उनसे बात करने से ही मना कर दिया। तब डीसीपी नगर अभिषेक भारती झूंसी थाने पहुंचे। भाजपाई झूंसी थानेदार उपेंद्र प्रताप सिंह समेत है। पहले प्रीतम नगर के निवर्तमान मंडल अध्यक्ष, फिर भाजपा अनुसूचित मोर्चा के प्रदेश कोषाध्यक्ष मनोज पासी की झूंसी थाने में हुई पिटाई के मामले ने तूल पकड़ लिया है। दोनों बार भाजपा नेता थानों का घेराव कर चुके हैं। पुलिस के इस रवैये से कार्यकर्ता नाराज हैंडिप्टी सीएम दोपहर तीन बजे महाकुंभनगर के परेड ग्राउंड में संस्कृति विभाग की ओर से आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में पहुंचेंगे। शाम 4:15 बजे पार्टी पदाधिकारियों से मिलेंगे। यहीं पुलिस की पिटाई का मामला उठेगा। पिछले माह भी धूमनगंज पुलिस ने पार्टी के मंडल अध्यक्ष को पीट दिया था। इसके बाद मेयर समेत कई पदाधिकारियों ने थाना घेरा था। इसके बाद दो पुलिसकर्मी निलंबित किए गए थे। मनोज पासी की पिटाई में देर रात को झूंसी थाने में दो दरोगा और दो सिपाहियों के खिलाफ कार्रवाई की गई। इसके साथ ही डीसीपी नगर अभिषेक भारती ने मामले की जांच एसीपी विमल किशोर मिश्र को सौंपी है। एसीपी विमल किशोर मिश्र ने बताया कि मारपीट के मामले में आरोपी दो दरोगा और दो सिपाहियों को निलंबित कर दिया गया है। एसओ उपेंद्र प्रताप सिंह के मामले की जांच कर कार्रवाई का आश्वासन दिया गया था।

अखाड़े के साथ मॉडल हर्षा के अमृत स्नान पर भड़के संत, भगवा वस्त्र पहनने पर शंकराचार्य नाराज

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
प्रयागराज। अखाड़े के साथ मॉडल हर्षा के अमृत स्नान पर भड़के संत, भगवा वस्त्र पहनने पर शंकराचार्य

नाराज सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर व मॉडल हर्षा रिछारिया ने मकर संक्रांति पर अमृत स्नान के दौरान निरंजनी अखाड़ा के महामंडलेश्वर कैलाशानंद के अनुयायियों के साथ भगवा कपड़ों में डुबकी लगाई थी। उनकी तस्वीरें और वीडियो कुछ देर में सोशल मीडिया पर वायरल हो गए। उनके स्नान के बाद से संतों ने भी अपनी नाराजगी जाहिर की। यूट्यूबर व मॉडल हर्षा रिछारिया के अखाड़े के साथ भगवा कपड़े पहनकर अमृत स्नान को लेकर महाकुंभ नगर में संतों में विवाद छिड़ा है। जहां एक ओर कुछ संतों ने इसे आपत्तिजनक करार देते हुए नाराजगी जताई वहीं, दूसरी ओर निरंजनी अखाड़े के महामंडलेश्वर कैलाशानंद गिरि ने इसे खारिज करते हुए कहा कि बिना वजह से इसको तूल देने की कोशिश हो रही है।सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर व मॉडल हर्षा रिछारिया ने मकर संक्रांति पर अमृत स्नान के दौरान निरंजनी अखाड़ा के महामंडलेश्वर कैलाशानंद के अनुयायियों के साथ भगवा कपड़ों में डुबकी लगाई थी। उनकी तस्वीरें और वीडियो कुछ देर में सोशल मीडिया पर वायरल हो गए। उनके स्नान के बाद से संतों ने भी अपनी नाराजगी जाहिर की। शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद ने इसे सनातन धर्म का अपमान बताया। कहा, इसमें शामिल धर्मगुरु व संतों को प्रायश्चित्त करना चाहिए।

मठ-मंदिरों की सुरक्षा के लिए संतों का सनातन बोर्ड, रेती पर गरमाई सियासत

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
प्रयागराज। कड़ाके की ठंड के बीच संगम की रेती पर साधु-संतों की सियासत गरमाने लगी है। बुधवार को सनातन धर्म की रक्षा

के लिए सनातन बोर्ड के प्रारूप पर मंथन शुरू हो गया। इस बोर्ड में देश के सभी मठ-मंदिरों की सुरक्षा का प्रस्ताव तय किया जा रहा है। कड़ाके की ठंड के बीच संगम की रेती पर साधु-संतों की सियासत गरमाने लगी है। बुधवार को सनातन धर्म की रक्षा के लिए सनातन बोर्ड के प्रारूप पर मंथन शुरू हो गया। इस बोर्ड में देश के सभी मठ-मंदिरों की सुरक्षा का प्रस्ताव तय किया जा रहा है। अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष ने बोर्ड के स्वरूप पर साधु-संतों के साथ प्रारूप पर चर्चा की।जूना अखाड़े के संरक्षक और अखाड़ा परिषद के महामंत्री श्रीमहंत हरि गिरि ने कहा कि अयोध्या की तर्ज पर सनातन बोर्ड हासिल करके ही साधु-संत दम लेंगे। इसी के साथ बोर्ड के गठन को लेकर तासीर बढ़ने लगी है। चिंतन बैठक में साधु-संतों ने सुझाव दिया कि अयोध्या में रामलला के भव्य मंदिर निर्माण के लिए राम जन्मभूमि आंदोलन जिस तरह अशोक सिंघल ने प्रारंभ किया था।

उत्तर प्रदेश शासन द्वारा लागू की गई मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान योजना के बारे में छात्र छात्राओं को किया गया जागरूक

मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान योजना के बारे आज एक कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें छात्र छात्राओं को योजना के प्रति जागरूक किया गया

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
प्रयागराज।उपायुक्त, उद्योग,श्री शरद टंडन द्वारा युवाओं का आवाह्न किया गया है कि उक्त योजना के तहत अपना स्वयं रोज़गार स्थापित कर

स्वावलंबी बनें और अन्य लोगों को भी रोज़गार दें। उल्लेखनीय है कि उत्तर प्रदेश शासन के पत्र दिनांक 01.10.2024 के द्वारा सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम अनुभाग-2 के द्वारा मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान योजना के द्वारा जनपद में उद्योगों को अधिक से अधिक प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से जनपद के युवाओं को रोजगार सृजित किये जाने हेतु प्रदेश सरकार द्वारा जनपद में पूंजी निवेश को बढ़ावा देने/आकर्षित करने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 01 लाख नई सूक्ष्म, लघु मध्यम इकाईयों को स्थापित किये जाने हेतु उक्त योजना को मिशन मोड के रूप में आगामी 10 वर्षो की समयावधि में प्रदेश में 10 लाख नयी सूक्ष्म इकाईयां स्थापित किये जाने हेतु राज्य सरकार द्वारा "मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास योजना" का प्रारम्भ किये जाने हेतु निर्देशित किया गया है योजना की प्रमुख पात्रता एवं शर्ते निम्नवत हैः-आवेदक जनपद का निवासी होना चाहिए एवं आवेदक की आयु 21 वर्ष से 40 वर्ष होनी चाहिए। आवेदक की शैक्षिक योग्यता न्यूनतम कक्षा आठ होनी चाहिए। इण्टरमीडिएट उत्तीर्ण अथवा समकक्ष की वरीयता दी जायेगी। आवेदक को विभाग द्वारा संचालित प्रशिक्षण योजनाओं जैसे-विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना, एक जनपद एक उत्पाद प्रशिक्षण एवं टूलकिट योजना, अनुसूचित जाति/जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग प्रशिक्षण योजना, उत्तर प्रदेश स्किल डवलपमेंट मिशन द्वारा संचालित कौशल उन्नयन आदि में प्रशिक्षित हो अथवा किसी मान्यता प्राप्त विद्यालय/शैक्षणिक संस्थान से कौशल सम्बन्धी सर्टिफिकेट कोर्स/डिप्लोमा/डिग्री प्राप्त/अन्य तकनीकी

शिक्षा प्राप्त एवं अनुसूचित जाति/जनजाति महिला अभ्यार्थियों को वरीयता दी जायेगी। आवेदक दी गयी वेबसाइट http// msme.uped.goved.in पर निःशुल्क आवेदन कर सकते है। आवेदन ऑनलाइन करते समय निम्न शैक्षिक योग्यता प्रमाण पत्र जैसे-न्यूनतम आठवी की मार्कशीट/हाईस्कूल अंक प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, पासपोर्ट फोटो, स्कैन हस्ताक्षर, निवास प्रमाण पत्र, नोटीकृत हलफनामा एवं परियोजना रिर्पोट को पोर्टल पर अपलोड करना होगा। उद्योग एवं सेवा क्षेत्र की अधिकतम रू. 5 लाख तक की परियोजनाओं के ऋण पर परियोजना लागत का शत-प्रतिशत ब्याज उपादान वित्त पोषण की तिथि से अगले 04 वर्षो के लिए दिया जायेगा। कुल परियोजना लागत का न्यूनतम 10 प्रतिशत टर्मलोन के रूप में होना अनिवार्य होगा। परियोजना में भूमि-भवन का क्रय सम्मिलित नही होगा। सामान्य वर्ग के लाभार्थियों का परियोजना लागत का 15 प्रतिशत, अन्य पिछड़ा वर्ग के लाभार्थियों के लिए 12.5 प्रतिशत तथा अनुसूचित जाति/जनजाति/दिव्यांगजन के लाभार्थियों के लिए परियोजना लागत का 10 प्रतिशत स्वयं के अंशदान के रूप में जमा करना होगा। लाभार्थी को परियोजना लागत अथवा अधिकतम रू. 5 लाख जो कम हो का 10 प्रतिशत मार्जिन मनी सब्सिडी के रूप में दिया जायेगा। यह अनुदान बैंक इण्डेड होगा। तम्बाकू उत्पाद, गुटखा पान मसाला अल्कोहल, वातयुक्त पेय पदार्थ कार्बोनेटेड उत्पाद, पटाखे, प्लास्टिक कैरी बैग (40 माइक्रॉन से कम) अथवा भारत/राज्य सरकार द्वारा समय समय पर प्रतिबंधित श्रेणी में रखे उत्पाद योजना में लाभ हेतु पात्र नही होगें। योजनान्तर्गत जनपद की समस्त राष्ट्रीयकृत बैंक/ग्रामीण बैंक तथा वित्तीय संस्थाएं ऋण वितरण हेतु पात्र होगी। योजनान्तर्गत अभ्यर्थी का पंजीकरण निम्न दिये गये पंजीकरण फार्म के अनुसार ही स्वीकार किये जायेगे। पंजीकरण फार्म प्राप्त करने के लिए कार्यालय उपायुक्त उद्योग, जिला उद्योग प्रोत्साहन तथा उद्यमिता विकास केन्द्र प्रयागराज में प्रातः 10 बजे से सांय 05 बजे तक सम्पर्क स्थापित करते हुये जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE
(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)
सर्टिफिकेट इन फायर सेफ्टी एण्ड इण्डस्ट्रीयल सिक्योरिटी
फायर सेफ्टी पर जिसकी कमाण्ड, उसकी ही है ग्लोबल डिमाण्ड
कोर्स के बाद सेफ्टी सुपरवाइजर, फायर प्रोटेक्शन, सिक्योरिटी एडमिनिस्ट्रेटर आदि विभिन्न पदों पर नियुक्ति मिल जाती है। रिलीफ एजेन्सी N.G.O., डिफेन्स सर्विसेज फायर सर्विस आर्डिनेन्स फैक्ट्री, महानगर पालिका, नगर निगम, एयरपोर्ट, पावर प्लांट, स्टील प्लान्ट, माइनिंग इन्डस्ट्रीज, पेट्रोलियम कम्पनी, फूड इण्डस्ट्रीज, रिफाइनरीज, टेक्सटाइल मिल, टावर कम्पनी, इलेक्ट्रानिक कम्पनी, कोयले की खदानों एवं जहाजों आदि क्षेत्रों में फायर सेफ्टी के जानकारों को बहुत अधिक मौका मिलता है

नोटः फायर सेफ्टी कोर्स करें और देश -विदेश, सरकारी और प्राइवेट क्षेत्रों में अच्छे पैकेज के साथ नौकरी पायें।
Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480
Enjoy Publicity

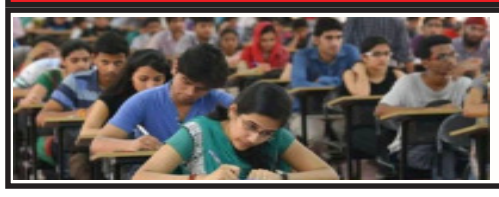

प्रदेश आस/पास

भारत

फाइनल मैच में गाजीपुर ने3 विकेट से की जीत हासिल

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। विधायक खेल महाकुंभ 2024.25 में क्रिकेट मैच का फाइनल मुकाबला ओबरा और गाजीपुर के बीच भाजपा सभासद

चंद्रप्रकाश दुबे के द्वारा टास करा कर मैच का शुभारंभ किया गया,ओबरा की टीम टास जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए अपने निर्धारित 20 ओवर में 8 विकेट खो कर 131 रन का स्कोर खड़ा किया,ओबरा की तरफ से अनुराग रघुवंशी ने 10 चौके और 2 छक्के की मदद से 37 बाल पे 61 रन तो वहीं प्रदीप ने 3 चौके की मदद से 19 रन बना कर अपनी टीम का स्कोर 131 रन पर पहुंचाया,गाजीपुर की तरफ से मोहम्मद आमिर ने 4 ओवर में 18 रन देकर 3 विकेट चटकाए और सुमित जायसवाल ने 4 ओवर में 19 रन देकर 2 विकेट चटकाए,जवाब में गाजीपुर की टीम लक्ष्य का पीछा करते हुए मात्र,10.4 ओवर में 7 विकेट खो कर फाइनल मैच को 3 विकेट से जीत हासिल किया,गाजीपुर की तरफ से संदीप मौर्य 5 चौके और 2 छक्के की मदद से 17 बाल पे 37 रन तो वहीं अरशद अहमद ने 1 छका लगाकर 23 रन बनाकर अपनी टीम को जीत का खिताब दिलाया, ओवरा की तरफ से सनी 4 ओवर में 10 रन देकर 2 विकेट तो वही अनुराग ने 2.4 ओवर में 16 रन देकर 2 विकेट चटकाए।। अतः विधायक भूपेश चौबे व नगवां ब्लॉक प्रमुख आलोक सिंह ,जिला मंत्री संतोष शुक्ला के द्वारा आमिर रज्जा को मैन आफ द मैच व विजेता रही गाजीपुर व उपविजेता रही ओबरा की टीम को ट्राफी दिया गया,इस अवसर पर जिला मंत्री संतोष शुक्ला ,मीडिया प्रभारी अनूप तिवारी,नगर अध्यक्ष विनय श्रीवास्तव ,रजनीश रघुवंशी ,नवल वाजपेई ,दीपक दुबे ,राजेश चौबे , सुनील सिंह ,आशुतोष शुक्ला , राजन तिवारी , के द्वारा विजेता व उपविजेता के सभी खिलाड़ियों को पुरस्कार वितरण किया गया ।। अतः कल 16.01.2025 दिन गुरुवार सुबह 10 बजे को डायट परिसर में भव्य पुरस्कार वितरण समारोह में मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश सरकार के मुख्य मंत्री योगी आदित्यनाथ का आगमन होना सुनिश्चित हुआ है।

एक क्लिक पर जानें, देश-विदेश के टॉप 89 स्कॉलरशिप, डेटाबेस जारी; 10 पॉइंटर में पूरा विवरण

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

वाराणसी। आईआईटी बीएचयू के इंटरनेशनल एक्सचेंज स्टूडेंट

काउंसिल सर्विस ने डिजिटल पेज बनाया है। 10 पॉइंटर में स्कॉलरशिप का पूरा विवरण दिया गया है। आईआईटी बीएचयू के छात्र और छात्राओं ने मिलकर देश-विदेश के टॉप 89 फेलोशिप और स्कॉलरशिप को जानने और आवेदन का एक डेटाबेस जारी किया है। इससे आईआईटी बीएचयू, बीएचयू समेत अन्य विश्वविद्यालय के छात्रों को स्कॉलरशिप को एक ही क्लिक पर जानने का मौका मिलेगा। सबसे ज्यादा अमेरिका के 18 और कनाडा के 16 स्कॉलरशिप और फेलोशिप का विवरण व आवेदन का लिंक दिया गया है। आईआईटी बीएचयू के इंटरनेशनल एक्सचेंज स्टूडेंट काउंसिल सर्विस (एससीएस) की ओर से एमएस और पीएचडी स्कॉलरशिप डेटाबेस के नाम से डिजिटल पेज ही जारी किया गया है। इस पर किसी भी स्कॉलरशिप या फेलोशिप को जानने के लिए 10 प्वाइंटर दिए गए हैं। स्कॉलरशिप का नाम, योग्यता, सीटें, टाइमलाइन, स्पेशल कंडीशन, फंड और विश्वविद्यालय सब कुछ एक क्लिक पर जाना जा सकता है। इस पोर्टल को हर दिन अपडेट किया जाता है। इससे छात्र-छात्राओं को भी काफी राहत मिलेगी। सभी ने इसकी प्रशंसा की।

मुख्यमंत्री के संभावित कार्यक्रम में जुटा जिला प्रशासन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ के गुरुवार संभावित आगमन कार्यक्रम को लेकर रूपरेखा

बनाने में जुटा जिला प्रशासन। बता दे की विधायक खेल महाकुंभ के सेमीफाइनल पर खिलाड़ियों को सम्मानित करने का कार्यक्रम एवं जिले में विकास कार्यों के लोकार्पण शिलान्यास के साथ विभिन्न योजनाओं की समीक्षा को लेकर संभावित मुख्यमंत्री का कार्यक्रम लगा है वहीं भाजपा मीडिया प्रभारी अनूप तिवारी ने बताया कि कार्यक्रम के रूपरेखा की सूचना मिलते ही जिला प्रशासन वह भाजपा के सदर विधायक जिला अध्यक्ष के साथ बैठक करते हुए तैयारी में जुटा जिला प्रशासन वही बता दें कि पूर्व में ही मुख्यमंत्री के आगमन की सूचना जिले के जिला प्रशासन को लग गई थी हालांकि कुछ ऑथेंटिक रिपोर्ट न मिलने पर प्रशासन अपने गति से कार्य कर रहा था वही विधायक खेल महाकुंभ विगत कई वर्षों से चल रहे जिस पर सदर विधायक भूपेश चौबे द्वारा मुख्यमंत्री को आमंत्रण पत्र देकर खेल में आमंत्रित करने का भी कार्य किया गया था जिसको लेकर चर्चाएं चल रही थी इसी दौरान मंगलवार को मुख्यमंत्री के संभावित कार्यक्रम के आगमन की सूचना मिलते ही जिला प्रशासन तीव्र गति से सुरक्षा व्यवस्था हुआ अन्य दृष्टि से कार्य में लग गया तैयारी पूर्ण करने को संबंधित अधिकारियों को भी दिशा निर्देशित दिए गए उरमौरा स्थित डायट परिसर में सभा कार्यक्रम का आयोजन को लेकर डीएम एसपी सीडीओ एडीएम आलाधिकारी मौके का जायजा लिए वहीं इसके उपरांत हाइडिल मैदान विधायक खेल महाकुंभ में खिलाड़ियों को सम्मानित स्थल साथ विकास कार्यों के लोकार्पण शिलान्यास व का कार्यक्रम होगा आयोजित।

अधिवक्ताओं ने शोक सभा किया आयोजित

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। दी सोनभद्र टैक्स बार एसोसिएशन सोनभद्र की एक शोकसभा बैठक दी सोनभद्र टैक्स बार एसोसिएशन के अध्यक्ष राजेश देव पांडेय एडवोकेट के अध्यक्षता में बार सभागार में संपन्न हुई जिसमे वरिष्ठ अधिवक्ता राकेश शरण मिश्रा के छोटे भाई हिमांशु मिश्रा आकस्मिक निधन पर एक शोक सभा की गई जिसमें मृतक आत्मा की शांति एवं परिवार को साहस व संबल प्रदान करने हेतु ईश्वर से प्रार्थना की गई साथ ही आज दि.15.01.2025 को कार्य से विरत रहने का निर्णय लिया गया जिसमे सभी बार के सभी सदस्य उपस्थिति रहे।बार का संचालन महासचिव फैजान अंसारी ने किया।बार में बार के सदस्य उमापति पांडेय , कृष्ण कांत तिवारी,जनार्दन पांडेय, सुरेंद्र केशरी, राकेश पति त्रिपाठी,रमेश केशरी विजय जायसवाल प्रदीप धर द्विवेदी बार के पी सिंह विनय पाण्डेय तमाम अधिवक्ता मौजूद थे।

कड़ाके की ठंड में बुजुर्गों को वितरित किए गए कंबल

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। सदर तहसील क्षेत्र के ग्राम पंचायत लसड़ा में बुधवार को कड़ाके की ठंड को देखते हुए 100 के ऊपर बुजुर्ग महिलाएं व आदमियों को वितरित किए गए कंबल। आयोजन प्रतिमा जायसवाल द्वारा बताया गया कि हर वर्ष की बात इस वर्ष भी खिचड़ी पर्व पर क्षेत्र के बुजुर्ग महिलाएं व पुरुषों में ठंड को देखते हुए कमल वितरण का कार्यक्रम आयोजित किया गया वह लोगों को ठंड से बचाव के लिए भी बताया गया इस मौके पर अनामिका जायसवाल आभा जायसवाल वरिष्ठ समाजसेवी अमित जायसवाल अमरीश जायसवाल राजेंद्र गुप्ता राजू दिवाकर विनय गुप्ता प्रेम गुप्ता इंद्र सहित आदिल लोक मौजूद रहे।

वाराणसी में रात जैसा ही रहा दिन का मौसम

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

वाराणसी। यूपी में ठंड का कहर जारी है। वाराणसी में कोल्डवेव जनजीवन पर सितम ढा रहा है। इस कारण बुजुर्ग और बच्चे बाहर कम निकल रहे हैं। सुबह-शाम को भी हवा चलती रही। इस कारण ठंड से किसी तरह की राहत नहीं मिली। बर्फीली हवाओं (कोल्डवेव) ने लोगों को कंपा दिया। दिन भर बादल छाए रहे और हवाएं भी 15 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलीं। ये कोल्डवेव का ही असर रहा कि अधिकतम और न्यूनतम तापमान में महज 2.3 डिग्री सेल्सियस का अंतर रहा। ऐसा दस साल में पहली बार हुआ जब अधिकतम और न्यूनतम तापमान के बीच इतना कम अंतर दर्ज किया गया। बीते मंगलवार को अधिकतम तापमान 15.3 डिग्री सेल्सियस रहा जो कि औसत से 5.8 कम रहा। वहीं, न्यूनतम तापमान 13.0 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। इस वजह से रात जैसी ही कंपकंपाती ठंड दिन में भी लोगों को महसूस हुई। मौसम विभाग की ओर से तीन दिन शीतलहर चलने की आशंका जताई गई है। बीते मंगलवार को सुबह से ही नम हवाएं करीब 15 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से चलती रहीं। इस वजह से लोग ठंड से ठिठुर गए। सामान्य दिनों में

जहां घाटों पर दिन में भी चहल-पहल दिखती है, वहां सन्नाटा रहा। शाम को भी हवा चलती रही। इस कारण ठंड से किसी तरह की राहत नहीं मिली। तीन दिन तक कोल्डवेव के आसार बीएचयू के मौसम वैज्ञानिक प्रो. राजीव भाटला का कहना है कि पहाड़ों पर खूब बर्फबारी हो रही है। इस वजह से मंगलवार को दिनभर शीतलहर चलती रही। धूप भी नहीं निकली। पछुआ हवाओं में नमी भी बढ़ गई है। अभी तीन दिन तक कोल्डवेव के आसार हैं। हवा का रुख पछुआ से अगर पुरवा हुआ तो मौसम फिर बदल सकता है। बूंदाबांदी की संभावना है। चौथे दिन भी 10 घंटे देरी से पहुंची नई दिल्ली-वाराणसी वंदे भारत कोहरे की वजह से मंगलवार को चौथे दिन भी नई दिल्ली-वाराणसी वंदे भारत 10 घंटे देरी से कैंट स्टेशन पहुंची। जम्मूतवी-वाराणसी बेगमपुरा एक्सप्रेस तीन घंटे, इंदौर-पटना एक घंटे, विशाखापत्तनम गोरखपुर फेयर स्पेशल साढ़े तीन घंटे, पटना-वाराणसी मेमू तीन घंटे, नई दिल्ली-बनारस काशी विश्वनाथ एक्सप्रेस साढ़े सात घंटे, बुंदेलखंड एक्सप्रेस साढ़े चार घंटे, जनता एक्सप्रेस साढ़े तीन घंटे लेट रही।वहीं, बरकाकाना वाराणसी स्पेशल एक्सप्रेस पांच घंटे, पंजाब मेल साढ़े तीन घंटे, सारनाथ एक्सप्रेस तीन घंटे, कामायनी एक्सप्रेस दो घंटे, प्रयागराज संगम गाजीपुर सिटी तीन घंटे, गोरखपुर दादर स्पेशल दो घंटे, नीलांचल एक्सप्रेस ढाई घंटे विलंब से पहुंची। इसी तरह दून एक्सप्रेस साढ़े तीन घंटे, स्वतंत्रता सेनानी साढ़े तीन घंटे, द्वारिका एक्सप्रेस एक घंटे, जोधपुर-वाराणसी सिटी एक घंटे, विभूति एक्सप्रेस दो घंटे, फरक्का एक्सप्रेस डेढ़ घंटे, दानापुर-आनंद विहार जनसाधारण डेढ़ घंटे, बनारस ग्वालियर बुंदेलखंड एक्सप्रेस दो घंटे, ग्वालियर बनारस बुंदेलखंड एक्सप्रेस साढ़े आठ घंटे देरी से कैंट स्टेशन पहुंची।

सामान्य निकाय की बैठक संपन्न आय व्यय लेखा-जोखा की समीक्षा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। सदर ब्लाक अंतर्गत साधन सहकारी समिति सजौर पर बुधवार को वार्षिक सामान्य निकाय की बैठक आयोजित की गई जिसमें वर्ष भर के आय व्यय

के लेखा-जोखा व किसानों की समस्या को लेकर हुई चर्चा। अध्यक्षता कर रहे मुख्य अतिथि समिति अध्यक्ष जगत मोहन मिश्रा ने बताया कि बीते गत वर्ष के आय व्यय समिति की व्यवस्था व किसानों की समस्याओं पर मौजूद किसानों के साथ बैठकर वह डायरेक्टर के सलाह पर समस्याओं का निदान को लेकर हर वर्ष बैठक की जाती है जिसमें किसानों के समस्याओं पर समाधान के लिए तमाम योजनाओं को भी संचालित किया जाता है जिससे किसानों को किसी प्रकार से समिति के लेनदेन एवं ब्याज भुगतान में दिक्कतों का सामना न करना पड़े। श्री मिश्र ने बताया कि इस वर्ष समिति के अच्छे आए हुए हैं जिससे कि किसानों के साथ तालमेल बना हुआ उनके विश्वास से ही समिति अच्छे पोजीशन पर पहुंच रही है वहीं सबके सहयोग की अपेक्षाओं से बेहतर कार्य करने के लिए किसानों का भी सुझाव लिया गया और उसे पर विस्तार पूर्वक निराकरण के लिए प्रस्ताव भी बनाए गए जिससे कि भविष्य में किसी प्रकार से किसानों को कोई कठिनाइयों का सामना न करना पड़े । वही सामान्य निकाय की बैठक के कार्यक्रम का संचालन कर रहे सचिव कमलेश शर्मा ने सबका आभार व्यक्त करते हुए किसानों को बेहतर सुविधा उपलब्ध कराने को भरोसा दिलाया इस मौके पर डायरेक्टर आशुतोष मिश्रा, निर्मला देवी, दुलारी देवी,एवं मौजूद किस विमलेश पांडेय, सुरेंद्र मिश्रा, शिव प्रसाद पांडे, राम बहादुर सिंह ,संतोष, बंटी कुमार ,मनोज चौबे व सभासद गण मौजूद रहे।

आधुनिक गेस्ट हाउस

- वाटर प्रूफ शेड
- पार्किंग की सुविधा
- मन्दिर की सुविधा
- सी.सी.टीवी.
- छोटे-बड़े कार्यक्रमों के अलग-अलग रेट
- 45000 sq. feet. एरिया
- हरे-भरे वातावरण
- AC कमरा (VIP)

CALL: 9519313894,9415608783, 9415608710

आधुनिक समाचार पब्लिशिंग हाउस, यूपीएसआईडीसी, रेमण्ड रोड, औधोगिक थाने के पीछे भारत पेट्रोलियम के पहले, औधोगिक क्षेत्र, नैनी, प्रयागराज

सोनभद्र, मिर्जापुर

विवाहिता ने घर के अंदर बड़ेर में लगाई फांसी हुई मौत

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
डाला सोनभद्र। स्थानीय चोपन थाना क्षेत्र के अंतर्गत तेलगुडवा में बुधवार को संदिग्ध परिस्थितियों

में एक महिला का घर के बड़ेर में सफेद रंग के दुपट्टे के सहारे लटकते हुए शव देख परिजनों समेत आसपास के क्षेत्र में सनसनी फैल गई वहीं सूचना मिलते ही चोपन थानाध्यक्ष अपने टीम के साथ मौके पर पहुच कर फॉरेंसिक टीम बुलाया और जांच करते हुए शव को कब्जे लेकर अग्रीम कार्यवाई में जुटे रहे।मृतका के ससुर मुन्ना गोंड ने बताया कि मृतका की बीफनी उम्र लगभग 20 वर्ष जो कि मेरे पुत्र वीरेंद्र गौंड़ की पत्नी हैं और हमारी बहू थी जिसका डेढ़ वर्ष की अंसिका कुमारी बेटी भी है जो किसी बात को लेकर घर में फांसी लगाकर अपनी जीवनलीला समाप्त ली। मेरा लड़का विरेंद्र गोंड बाहर कमाने गया है जिसको जानकारी दे गई है।इस संबंध में चोपन थानाध्यक्ष विजय कुमार चौरसिया ने बताया कि मृतक के ससुर मुन्ना गोंड के तहरीर के आधार पर कार्रवाई कि जा रही है जांच के उपरांत ही कुछ स्पष्ट हो सकता है।

टीबी रोगियों के परिजनों को भी खानी होगी दवा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
मिर्जापुर। अब टीबी के मरीजों के परिजनों को भी दवा खानी होगी। इसका उद्देश्य टीबी के मरीज के संपर्क में रहने वालों को संक्रमण से बचाना है। हालांकि यह दवा सिर्फ फेफड़े के टीबी रोगी के संपर्क में आने वालों को ही खानी होगी।देश को 2025 तक टीबी मुक्त बनाने के लिए अभियान चल रहा है। इसके लिए टीबी रोगियों को गोद लेने के साथ पोषण पोटली और एक हजार रुपये सहायता राशि दी जा रही है। नए साल में 100 दिन का विशेष अभियान शुरू किया गया है।इसके तहत फेफड़े के टीबी रोगियों के परिजनों को भी दवा का सेवन करना पड़ेगा। एक दवा तो पहले से भी इसे एक दवा और जोड़ दिया गया है। जिले में इस समय 2167 एक्टिव टीबी रोगी है।ढजिला क्षय रोग अधिकारी डा. अनिल ओझा ने बताया कि फेफड़े की टीबी से संक्रमण फैलने का खतरा रहता है। इसलिए उनके संपर्क में आने वाले परिजन आदि को दवा खिलाया जाएगा।इसमें रिफापेंटिन और आइसोनियाजाइड दवा का सेवन करना होगा। इन दोनों दवा का सेवन पांच वर्ष से ऊपर के लोगों को छह माह तक करना होगा। रिफापेंटिन का सप्ताह में तीन दिन और आइसोनियाजाइड को प्रतिदिन एक गोली लेनी होगी। इस दवा के सेवन से टीबी रोग का संक्रमण फैलने का खतरा नहीं रहेगा।

विंध्याचल स्टेशन पर 7 लाख के 145 कछुए बरामद, दो गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
विंध्याचल। प्रयागराज महाकुंभ के चलते स्टेशन और ट्रेनों में भीड़ का लाभ उठाकर तस्कर कछुओं को लेकर पश्चिम बंगाल जाने वाले थे, इस बीच मंगलवार की रात विंध्याचल स्टेशन पर जीआरपी ने दो लोगों को पकड़ लिया।उनके गट्ठर बैग व एक गट्ठर में 145 कछुए मिले।जीआरपी ने रोहित कंजड़ व किशुन कुमार निवासी महेशुआ थाना हनुमानगंज जिला सुल्तानपुर को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। जीआरपी प्रभारी सुनील गोंड ने बताया कि आरोपी अपने गांव से कछुआ पकड़कर पश्चिम बंगाल के

और बैग की तलाशी ली गई तो 145 कछुए बरामद हुए। जिसकी अनुमानित कीमत सात लाख रुपये बताई जा रही है। दोनों आरोपी दूसरी बार कछुआ लेकर पश्चिम बंगाल जा रहे थे।जीआरपी चौकी प्रभारी सुनील कुमार गौंड़, आरपीएफ चौकी प्रभारी राजीव कुमार सिंह के साथ रात में विंध्याचल स्टेशन पर गश्त कर रहे थे। इस दौरान प्लेटफॉर्म नंबर एक पर दिल्ली छोर की ओर बेंच पर दो संदिग्ध लोग पिट्ठू बैग व गट्ठर लेकर बैठे दिखाई दिए। जीआरपी ने दोनों संदिग्ध लोगों के बैग को खोलवाकर जांच की कछुए मिले। पांच पिट्ठू वर्धमान जाने वाले थे। अपने गांव से बस से आए थे। इस समय प्रयागराज जाने वाले श्रद्धालुओं की भीड़ है। लोग बैग व गट्ठर आदि लेकर जा रहे हैं। तस्कर भी भीड़ की आड़ में कछुए लेकर जा रहे थे। इस बीच उनको पकड़ लिया गया। बरामद कछुओं की अनुमानित कीमत सात लाख रुपये है। दोनों आरोपी दूसरी बार कछुआ लेकर पश्चिम बंगाल जाने वाले थे। उन्होंने बताया कि आरोपी कछुओं को पश्चिम बंगाल में जाकर बेचते हैं। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि पश्चिम बंगाल में कछुओं का उपयोग मांस और दवा के लिए किया जाता है।

राज्य मंत्री व ब्लॉक प्रमुख के हाथों कंबल पाकर गरीबों के चेहरे खिले

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
डाला सोनभद्र। ओबरा विधानसभा क्षेत्र के डाला बारी शिव मंदिर परिसर में बुधवार को दोपहर लगभग साढ़े बारह बजे जिले के लीला देवी द्वारा कार्यक्रम में उपस्थित जरुरतमंदों लोगों में भीषण ठंड व शीतलहर को देखते हुए निर्धन,असहाय वृद्ध जन, विकलांगों में कंबल वितरण के साथ खिचड़ी योजनाओं का लाभ भी मिल रहा है इसी प्रकार उत्तर प्रदेश सरकार इस भीषण ठंड व शीतलहर को देखते हुए निर्धन,असहाय वृद्ध जन, विकलांग में कंबल वितरण कराया

चहेते समाज कल्याण/ अनुसूचित जाति व जनजाति कल्याण राज्य मंत्री संजीव कुमार गोंड ने पत्नी लीला देवी चोपन ब्लाक प्रमुख के संगअपने क्षेत्र के गरीब जरुरमंदों हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी खिचड़ी भोज व कम्बल वितरण कार्यक्रम आयोजित है।जहा सर्व प्रथम महादेव के नाम के साथ राज्य मंत्री संजीव सिंह गोंड व ब्लाक प्रमुख चोपन भोज कराया गया रहा है राज्य मंत्री ने कहा कि भाजपा सरकार गरीबों की सरकार है यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आदिवासियों गरीबों के उत्थान के लिए जरुरतमंदों के हित हेतु अनेकों जन कल्याणकारी योजनाएं चलाई जा रही है गरीबों असहायों की समस्या दूर हो सके। जरुरमंदों को इन जा रहा है। तकरीबन 500 कबल ग्राम पंचायत बिल्ली मारकुंडी मे वितरण किया है। आगे जरूरतमंदो को चिह्नित करके सभी ग्राम पंचायतों मे कंबल का वितरण निरंतर जारी है इस दौरान मौजूद ओबरा भाजपा मंडल अध्यक्ष शिवनाथ जायसवाल,उमेश पटेल, विजय यादव,ओम प्रकाश शर्मा, टाटा चौधरी, यदि लोग मौजूद रहे।

लॉ कॉलेजों में लीगल एड क्लीनिक की होगी स्थापना

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
मिर्जापुर। राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशन में गरीबों, असहायों को विधिक सहायता मुहैया कराने के उद्देश्य से जिले के सभी लॉ कॉलेजों में लीगल एड क्लीनिक की स्थापना की जाएगी। इस संबंध में जनपद न्यायाधीश अरविंद कुमार मिश्र द्वितीय ने अपने कार्यालय में विधि महाविद्यालयों के प्राचार्य के साथ बुधवार को बैठक की। जिला जज ने ज्ञानंदा विधि महाविद्यालय अमरावती विंध्याचल, रामललित विधि महाविद्यालय कैलहट, पुष्पा लॉ कालेज बरेवा चुनार, उषा सिंह लॉ कालेज चुनार, राम लाल सिंह विधि महाविद्यालय व मथुरा लॉ कालेज पुरजागीर के प्राचार्यों के साथ बैठक में विचार विमर्श किया।उन्होंने कहा कि ग्रामीणों और असहायों की मदद के लिए विधि महाविद्यालयों में लीगल एड क्लीनिक स्थापित की जाएगी। में विधि के छात्र-छात्राएं सदस्य नामित किए जाएंगे। छात्र-छात्राएं गरीबों, असहायों और ग्रामीणों को जागरूक करने के साथ उन्हें कानून मदद उपलब्ध कराएंगे। बैठक में अपर जनपद न्यायाधीश विनय आर्या, शार्दूल विक्रम सिंह, अनिल कुमार पटेल, ओम प्रकाश सिंह, सूर्य प्रताप सिंह, संजय कुमार द्विवेदी, शिवकांत दूबे आदि रहे।

सौ कैमरों की फुटेज खंगाली, 25 लोगों से पूछताछ

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
पड़री। क्षेत्र के कठिनई गांव स्थित श्री अनुपम हनुमान राम जानकी मंदिर से 175 साल पुरानी अष्टधातु की मूर्तियां चोरी होने के मामले की जांच के लिए पुलिस की तीन टीमें लगाई गई हैं।पुलिस ने सौ से ज्यादा सीसी कैमरों की फुटेज खंगालने के अलावा 25 लोगों से पूछताछ की लेकिन कोई सुराग नहीं मिला है। जिस पर पुलिस काम कर रही है। कठिनई गांव के श्री अनुपम हनुमान राम जानकी मंदिर से सोमवार की रात श्रीराम-जानकी और लक्ष्मण की अष्टधातु की प्राचीन मूर्तियां चोर ले गए थे। मंगलवार को इसकी जानकारी होने पर सेवादार राजेश यादव ने मंदिर के महंत महामंडलेश्वर जयराम दास महाराज को दी। प्रयागराज महाकुंभ से उन्होंने अपने शिष्य बंशी बाबा को कठिनई भेजा। बंशी बाबा ने मामले मुकदमा दर्ज कराया था।मामले के खुलासे के लिए पुलिस, एसओजी और सर्विलांस की तीन टीमें लगाई गई हैं। बुधवार को पुलिस ने पड़री के आस-पास लगे सौ से ज्यादा सीसी कैमरों की फुटेज देखी और 25 लोगों से पूछताछ की लेकिन चोरों का कोई सुराग नहीं मिला। सीओ सदर अमर बहादुर ने बताया कि तीन टीमें मामले की जांच कर रही हैं। जल्द ही खुलासा किया जाएगा।

मांडा-लालगंज मार्ग का 4.73 करोड़ से होगा चौड़ीकरण

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
मिर्जापुर। प्रयागराज के मांडा से जिले के लालगंज तक की 3.5

किलोमीटर लंबी सड़क का चौड़ीकरण और सुंदरीकरण कराया जाएगा। केंद्रीय राज्यमंत्री अनुप्रिया पटेल के प्रयास से राज्यपाल के निर्देश पर प्रदेश सरकार ने इसकी स्वीकृति दे दी है। इस संबंध में उत्तर प्रदेश शासन के अनु सचिव अभय प्रताप श्रीवास्तव ने राज्यपाल के निर्देश पर मिर्जापुर में मांडा लालगंज मार्ग का चौड़ीकरण व सुंदरीकरण को प्रशासकीय व वित्तीय स्वीकृति प्रदान की है। साथ ही लागत के सापेक्ष वित्तीय वर्ष 2024-25 में 3.79 करोड़ रुपये जारी किए जाने की स्वीकृति प्रदान की है। इसकी स्वीकृत लागत 473.84 लाख रुपये है। इससे क्षेत्र के लोग प्रयागराज से सीधे लालगंज होते हुए मध्य प्रदेश जा सकेंगे। केंद्रीय मंत्री ने मुख्यमंत्री को धन्यवाद देते हुए कहा कि सड़क बनने से लालगंज, इलाहाबाद और मध्य प्रदेश जाने में क्षेत्र के लोगों को सहूलियत होगी। उन्होंने कहा कि कल्याणकारी योजनाओं से देश में आधारभूत संरचनाओं विकास हुआ है। सड़कें, हाईवे, पुल, एयरपोर्ट, रेलवे नेटवर्क यह सबका विकास हुआ है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के तीसरे कार्यकाल में हम तीन गुना तेजी से काम करेंगे।

विवाहिता का बड़ेर से लटकता मिला शव, युवक ने फंदा लगाकर दी जान

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। जिले के अलग-अलग क्षेत्रों में मंगलवार की रात विवाहिता और युवक का शव घर में फंदे पर

लटकता मिला। दुद्धी में युवक का शव कमरे में कुंडी के सहारे युवक ने फंदा लगाया तो चोपन के तेलगुड़वा में बड़ेर से दुपट्टे के सहारे विवाहिता का शव फंदे पर लटक रहा था। पुलिस छानबीन में जुटी है।पहली घटना तेलगुड़वा पूर्वी की है। गांव निवासी वीरेंद्र गोंड कुछ माह पहले रोजगार की तलाश में गुजरात गया था। उसकी पत्नी विफनी देवी (22) घर पर बच्चों और अपनी बहन की बेटी पूनम के साथ रहती थी।पूनम के मुताबिक मंगलवार की रात वह मौसी के साथ सोई थी। सुबह सात बजे जगकर वह घर से थोड़ी दूर पाही वाले मकान पर चली गई। करीब दो घंटे बाद वहां से लौटी तो मौसी का शव बड़ेर के सहारे फंदे पर लटकता देखा। घटना की सूचना अन्य घर वालों को दी।मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच पड़ताल की। शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। चोपन थाना प्रभारी निरीक्षक विजय कुमार चौरसिया ने बताया कि घटनास्थल पर जाकर फॉरेंसिक टीम के साथ हर बिंदुओं पर जांच की गई है। तहरीर के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। महिला ने किन परिस्थितियों में यह कदम उठाया, अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है। उधर, दूसरी घटना दुद्धी कस्बे के वार्ड नंबर नौ की है। वार्ड निवासी प्रदीप सेठ (39) फेरी लगाकर आभूषण बिक्री का काम करता था।बुधवार की सुबह कमरे में दरवाजे की कुंडी के सहारे उसका शव लटकता मिला। कुछ वर्षों से उसे शराब की लत गई थी। मंगलवार को वह कनहर नदी के पास लगे मेले में भी गया था। वहां से लौटकर आने के बाद किन परिस्थितियों में उसका शव कमरे में लटकता मिला, इसकी जांच कोतवाली पुलिस कर रही है।

सर्व समाज का नेतृत्व कर रही है बहन कुमारी मायावती :विनोद बागड़ी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। बहुजन समाज पार्टी के तत्वावधान में बहन कुमारी मायावती बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश एवं पूर्व राज्यसभा सांसद का जन्मदिन (जन्मदिवस) जनकल्याणकारी दिवस के रूप में विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी बड़े ही हर्षो उल्लास के साथ शिवबोध राम मुख्य मंडल प्रभारी मिर्जापुर मंडल / पूर्व विधान परिषद सदस्य के अध्यक्षता में रामलीला मैदान राबर्ट्सगंज सोनभद्र में मनाया गया है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विनोद बागड़ी मुख्य मंडल प्रभारी मिर्जापुर मंडल रहें। विशिष्ट अतिथि के रूप में राम विचार गौतम मंडल प्रभारी मिर्जापुर मंडल,अविनाश शुक्ला मंडल प्रभारी मिर्जापुर मंडल, डा0ओपी , मौर्य मंडल प्रभारी मिर्जापुर मंडल, संजय गौड़ प्रभारी दुध्दी, हीरालाल सायन पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष, प्रेमनाथ गौतम जिला प्रभारी, कमलेश गौड़ जिला प्रभारी, शेषधरपाल जिला प्रभारी , भगवान दास भारती जिला प्रभारी, नीरज श्रीवास्तव जिला पंचायत सदस्य, मनोज कुशवाहा प्रभारी घोरावल, रामचंद्र रत्ना पूर्व जिलाध्यक्ष, प्रीतम गिरी पूर्व जिला पंचायत सदस्य, रहे। मुख्य अतिथि के रूप में विनोद बागड़ी साहब ने कहा कि बहन कुमारी मायावती के जन्मदिन की बधाई देते हुए उनके लंबी आयु की कामना करते हुए बहन जी के शासनकाल में किए गए कार्यों की प्रशंसा करते हुए कहा कि आयरन लेडी बहन कुमारी मायावती ने संतो गुरु महापुरुषों के सपनों को साकार करने के लिए अपने जीवन को समर्पित कर आजीवन संघर्ष रत्न रही जिन्होंने संतो गुरु महापुरुषों के नाम से तरह-तरह की योजनाओं को चलकर जनता तक सीधा लाभ पहुंचाने का काम किया बहन ने शिक्षा के क्षेत्र में सावित्रीबाई फुले के नाम से तमाम योजनाओं को चलाया सर्व समाज के हित में कार्य किया गया स्वास्थ्य शिक्षा रोजगार के क्षेत्र में बहुत सारे कार्यों को कराया गया बहन कुमारी मायावती का शासन चार बार रहा उत्तर प्रदेश की आज जनता बहन को याद कर रही बहन के कराए हुए कार्यों को भुलाया नहीं जा सकता है चारों तरफ भ्रष्टाचार लूटपाट हत्या बेरोजगारी किसानों का शोषण नौजवानों का शोषण महिलाओं का शोषण चारों तरफ हो रहा है स्थिति भयावह बनी हुई है बहन के कार्यकाल में कानून का राज स्थापित करने का काम किया था अपराधी कोसों दूर भागते थे ऐसी स्थिति में बहन ने बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर और मान्यवर मसीहा कांशीराम साहब के सपनों को साकार करने के लिएअपना पूरा जीवन समर्पित किया।अध्यक्षता कर रहे पूर्व एमएलसी शिवबोध राम ने कहा कि आज बहन के जन्म दिवस के अवसर पर सभी को ढेर सारी शुभकामनाओं के साथ बहन के शासन में कानून का राज होता है सर्वजन हिताय सर्वजन सुखाय के तर्ज पर बहन ने अपना शासन चलाया सर्व समाज का नेतृत्व बहन के अलावा कोई नहीं कर सकता है बहन 136 जन कल्याणकारी योजनाओं को चलकर दबे कुचले शोषित वंचित समाज को करोड़ों करोड़ों लोगों तक योजना को पहुंचाने का काम किया बहन ने बाबा साहब के नाम पर गांव में सड़के बिजली किसान योजना बालिकाओं के लिए योजनाएं शहरों में गरीबों के लिए मान्यवर कांशीराम साहब के नाम से शहरी योजनाओं को चलकर लाभ देने का काम किया मुस्लिम समाज को मद्रास में शिक्षा से लेकर तमाम योजनाओं को लाभ पहुंचाने का काम बहन जी ने हर क्षेत्र में कार्य करने का काम किया है अविनाश शुक्ला ने कहा कि बसपा के शासन में सर्व समाज को मान सम्मान स्वाभिमान मिलता है सर्व समाज के लिए बहुजन समाज के कांशीराम साहब ने अपना जीवन समर्पित किया बाबा साहब को सपनों को साकार करने के लिए बहुजन समाज पार्टी का निर्माण किया उन्हीं के सपनों को पूरा करने के लिए बहन कुमारी मायावती आज सर्व समाज का नेतृत्व कर रही है बहन कुमारी मायावती के नेतृत्व वाली सरकार बनाने की जरूरत है। डा0 ओ पी मौर्य ने कहा कि आज पिछड़ा समाज बहुजन समाज के महापुरुषों के बाद दौलत अपने आप को गवांवित महसूस कर रहा है बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर और काशीराम साहब ने पिछड़े समाज के लोगों को प्रधान से लेकर प्रधानमंत्री तक बनाने का कार्य किया इसलिए सभी पिछड़े समाज के लोगों को बहुजन समाज के लोगों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर बहुजन समाज पार्टी के नेतृत्व वाली सरकार बनाने की जरूरत तभी पिछड़े समाज को सम्मान मिल पाएगा।रामविचार गौतम ने कहा कि महिलाओं के मान-सम्मान स्वाभिमान के लिए बहुजन समाज पार्टी की सरकार बनाना जरूरी बहन जी के शासनकाल में महिलाएं अपने आप को सुरक्षित महसूस करती हैं महिलाओं के लिए परम बहन कुमारी मायावती आदर्श हैं। जिलाध्यक्ष बी सागर ने सभी कार्यकर्ताओं पदाधिकारी अभिवादन करते हुए कहा कि परम बहन कुमारी मायावती के बारे में जितना बताया जाए वह काम है बहन ने सर्वजन हिताय सर्वजन सुखाय के तर्ज पर सर्व समाज के लोगों के लिए नौजवानों के लिए किसानों के लिए महिलाओं के लिए अल्पसंख्यक समाज के लिए पिछड़ा अति पिछड़ा दबे कुचले शोषित अनुचित समाज के हर वर्ग के लिए अपने शासनकाल में कार्य को करने का काम किया है बुधवार को बहन के लंबी आयु की कामना करते हुए उनके कार्यों का एवं जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में सभी लोगों को जागरूक करने की जरूरत है तभी बहुजन समाज पार्टी की सरकार बनेगी बहन जी के नेतृत्व में सरकार बनाकर पुनः कानून का राज स्थापित करने की जरूरत है। कार्यक्रम में मुख्य रूप से उपस्थित लोग रामचंद्र रत्न, जमुना कुमार चौधरी, बलवंत रंगीला, कृष्ण कुमार उत्तम बाबा गिरी संदीप भारती अमन मौर्य पवन प्रधान प्रदीप पांडे गोपाल दास कौशल कलेंदर जायसवाल सतीश जायसवाल राम लखन देहाती मुन्ना लाल भारती अशोक सागर नारद राव संतोष सागर संजय कनौजिया चंद्रकांत राव शिव बहादुर पटेल विक्रम पटेल अवधेश विश्वकर्मा जनार्दन पटेल मुंशी राम साहब शंकर प्रसाद कैलाश भास्कर हीरालाल भारती अंबेडकर भारती राम पुलिस फूल मोहम्मद कन्हैयालाल कॉल कृष्ण कुमार विजय भास्कर सहित हजारों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पीपा पुल से 2 दिन बाद शुरू होगा आवागमन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
जिगना। मिश्रपुर-सीतामढ़ी घाट पर स्थित पीपा पुल के क्षतिग्रस्त होने के कारण बुधवार को भी आवागमन बाधित रहा। पीडब्ल्यूडी के कर्मचारी दिन भर पीपा पुल की मरम्मत में जुटे रहे। पुल से आवागमन चालू होने में अभी दो दिन का समय लग सकता है।मिश्रपुर-सीतामढ़ी घाट पर गंगा की दो धाराएं होने के कारण पीपा पुल भी दो भागों में बनाया गया था। सीतामढ़ी की ओर बने पुल तक बालू की लकड़ी, गर्डर, बल्ली और चकर प्लेट रख कर रास्ता बनाया गया था।गंगा का जलस्तर बढ़ने के कारण सोमवार की रात सीतामढ़ी की ओर से बने पीपा पुल का दक्षिणी हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया था। पानी भर जाने और कटान तेज होने से बालू की बोरियां और चकर प्लेट बह गईं। इससे पुल से जुड़े गर्डर और बल्लियां गिर गईं। मंगलवार को सुबह घटना की जानकारी हुई। इससे क्षेत्र के दो दर्जन से ज्यादा गांवों के बीच आवागमन ठप हो गया है।अवर अभियंता बीसी राम ने बताया कि मरम्मत कार्य पूरा होने में दो दिन का समय लग सकता है। प्रयास है कि बृहस्पतिवार की शाम तक पुल से आवागमन चालू हो जाए। हालांकि घाट पर दो नावें चलाई जा रही हैं।

नो हेलमेट नो फ्यूल रणनीति हुई लागु

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। जिलाधिकारी बी0एन0 सिंह ने अवगत कराया है कि ''नो हेलमेट, नो फ्यूल'' रणनीति लागू है सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मृत्यु एवं घायलों की संख्या में वृद्धि के प्रति भारत सरकार द्वारा गम्भीर चिंता व्यक्त की गयी है। हाल ही में हुई राज्य सड़क सुरक्षा परिषद की बैठक में मा0 मुख्यमंत्री जी के निर्देशानुसार सड़क सुरक्षा में सुधार हेतु समस्त जिलों में प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित करना अनिवार्य है। सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली असामयिक मृत्यु और गम्भीर चोटों को रोकने के लिए एक ठोस, दीर्घकालिक और प्रभावी रणनीति की आवश्यकता है। मा0 मुख्यमंत्री जी के निर्देशानुसार सड़क दुर्घटनाओं में 50 प्रतिशत की कमी जाने का जो लक्ष्य निर्धारित किया गया है, उसे प्राप्त करने के लिए नवाचार और व्यवहार परिर्वन पर केन्द्रित उपायों को अपनाना अनिवार्य है। इस दिशा में, शहरी क्षेत्रों में ''नो हेलमेट, नो फ्यूल'' रणनीति एक निर्णायक कदम हो सकती है। यह रणनीति न केवल हेलमेट पहनने को अनिवार्य बनाने में सहायक होगी, बल्कि सड़क सुरक्षा के प्रति नागरिको में जिम्मेदारी और अनुशासन की भावना को भी प्रोत्साहित करेगी। मोटर वाहन अधिनियम-1988 की धारा-129 एवं उ0प्र0 मोटरयान नियमावली, 1998 के नियम-201 के अनुसार सभी मोटर साइकिल चालकों एवं सवारियों के लिए भारतीय मानक ब्यूरो (बी0आई0एस0) द्वारा निर्धारित मानकों के अनुरूप प्रोटेक्टिव हेड गियर (हेलमेट) पहनना अनिवार्य है। इन प्राविधानों का उल्लघंन केन्द्रीय मोटर यान अधिनियम, 1988 की धारा-177 के तहत दण्डनीय अपराध है।

स्पोर्ट्स

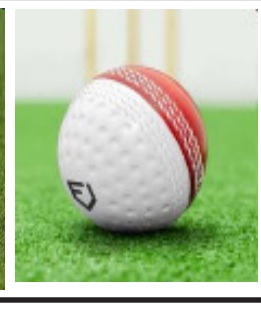
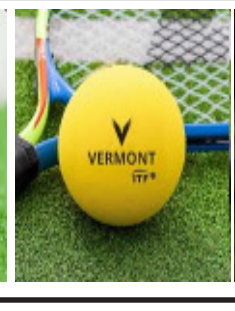

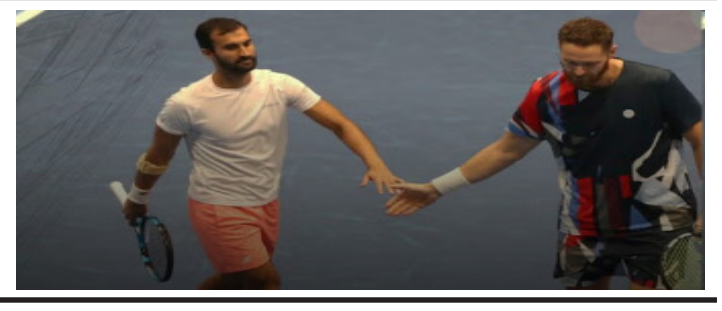

कोहली की कप्तानी में आए इस नियम को वापस लाने की तैयारी, खिलाड़ियों के खराब फॉर्म ने किया मजबूर

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। बोर्ड ने खिलाड़ियों के प्रति नरमी बरती थी क्योंकि वे ज्यादातर यात्रा पर होते थे। ध्यान सिर्फ चोट की रोकथाम पर केंद्रित हो गया था। इसे कुछ खिलाड़ियों

ने हल्के में ले लिया है। गौतम गंभीर के कोच बनने के बाद से भारतीय टीम का प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा है। खिलाड़ियों के खराब फॉर्म और टीम इंडिया के लचर प्रदर्शन ने भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) को सख्त फैसले लेने पर मजबूर कर दिया है। बोर्ड कथित तौर पर फिटनेस टेस्ट के पुराने नियमों को वापस लाने का इच्छुक है जो विराट कोहली की कप्तानी के दिनों में लागू थे। बोर्ड ने खिलाड़ियों के कार्यभार और यात्रा को देखते हुए यो-यो फिटनेस टेस्ट की अनिवार्यता को समाप्त कर दिया था। हालांकि, अब एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि नियम को वापस लाया जा सकता है।टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, बीसीसीआई की मेडिकल टीम को व्यस्त कार्यक्रम के कारण खिलाड़ियों को लग रही चोट को रोकने पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय चयन के लिए फिटनेस मानदंडों पर वापस जाने के लिए कहा गया है। यो-यो टेस्ट मैंडेट को पिछले टीम मैनेजमेंट द्वारा चोटों की संख्या को कम करने के लिए हटा दिया गया था, लेकिन अब इस पर बोर्ड यू-टर्न ले सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक, 'बोर्ड ने खिलाड़ियों के प्रति नरमी बरती थी क्योंकि वे ज्यादातर यात्रा पर होते थे। ध्यान सिर्फ चोट की रोकथाम पर केंद्रित हो गया था। इसे कुछ खिलाड़ियों ने हल्के में ले लिया है। ऐसा विचार किया जा रहा है कि फिटनेस के कुछ मानदंड को फिर से लागू करने की जरूरत है ताकि खिलाड़ी आत्ममुग्ध न हों।' बीसीसीआई कथित तौर पर टीम के काम करने के तरीके में कुछ और बदलाव करना चाह रहा है, जिसमें परिवार के सदस्यों और खिलाड़ियों की पत्नियों के साथ रहने पर भी अंकुश लगाया जा सकता है। बोर्ड अधिकारियों का मानना है कि विदेशों में होने वाले मैचों के दौरान परिवार की मौजूदगी से खिलाड़ियों का ध्यान भंग हो सकता है और इससे उनके प्रदर्शन पर असर पड़ सकता है। इसके अतिरिक्त, बीसीसीआई ने एक नियम और पेश किया है जिसमें सभी खिलाड़ियों को एकसाथ यात्रा करने को कहा गया है। यह बदलाव हाल के वर्षों में अलग से यात्रा करने का विकल्प चुनने वाले कुछ खिलाड़ियों को ध्यान में रखकर बनाया गया है, ताबिक टीम में एकजुटता बनी रहे। अलग-अलग यात्रा करने को बोर्ड टीम सामंजस्य और अनुशासन के लिए नुकसानदायक मान रहा है। डेनमार्क के फुटबॉल फिजियोलॉजिस्ट डॉ जेन्स बैंगसबो ने 1990 के दशक में इंटरमिटेंट रिकवरी टेस्ट (यो-यो टेस्ट) की शुरुआत की थी। परीक्षण शुरू में फुटबॉलरों पर उनकी समग्र फिटनेस और एरोबिक क्षमता में सुधार के लिए किया गया था। धीरे-धीरे अन्य खेलों ने यो-यो टेस्ट को अपनाना शुरू कर दिया। पूर्व भारतीय क्रिकेट टीम के स्ट्रेंथ और कंडीशनिंग कोच शंकर बसु ने 2017 में भारत के श्रीलंका दौरे से पहले राष्ट्रीय टीम में यो-यो टेस्ट की शुरुआत की थी।

'कई भारतीय महिलाओं को आप पसंद हैं', महिला एंकर के सवाल पर बोल्ड हुए कमिंस, उनके जवाब ने जीता दिल

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलियाई कप्तान कमिंस ने बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के दौरान शानदार प्रदर्शन किया था। उन्होंने बल्ले और गेंद दोनों से असाधारण प्रदर्शन किया। कमिंस ने पांच टेस्ट में 25 विकेट

लिए और वह बीजीटी 2024/25 के दूसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे। बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में ऑस्ट्रेलिया को 3-1 से जीत दिलाने के बाद पैट कमिंस का नाम ऑस्ट्रेलिया के महान कप्तानों में शुमार हो गया है। कंगारू पिछले 10 साल से बीजीटी जीतने का इंतजार कर रहे थे। आखिरकार कमिंस ने इसमें कामयाबी दिलाई। उनकी कप्तानी में ऑस्ट्रेलियाई टीम ने बीजीटी के अलावा वनडे विश्व कप 2023 और टेस्ट चैंपियनशिप 2021 जीत चुकी है। अब टीम विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2025 के फाइनल में भी पहुंच चुकी है। अब पैट कमिंस का बीजीटी सीरीज के ऑफिशियल ब्रॉडकास्टर्स के साथ एक दिलचस्प इंटरव्यू सामने आया है। इसमें एक महिला एंकर उनसे ऐसी बात कहती है, जिसे सुनकर कमिंस हैरान रह जाते हैं और पहले तो उन्हें कोई जवाब नहीं सूझता है। फिर वह एक ऐसा जवाब देते हैं, जिसने फैंस का दिल जीत लिया। वह शर्माते भी दिखे। महिला एंकर साहिबा बाली कमिंस से कहती है, 'भारत में आपकी बड़ी फैन फॉलोइंग है, खासकर महिलाओं में। महिलाओं का एक बड़ा ग्रुप है जिनको आप पसंद हैं। इसमें मैं भी शामिल हूं। मेरी सबसे अच्छी दोस्त भी इसमें शामिल है। उसने मुझे मैसेज किया, 'तुम पैट कमिंस से मिल रही हो। मुझे तुमसे बहुत जलन हो रही है।' बेशक, हर कोई जानता है कि आप शादीशुदा हैं, लेकिन आप महिला का ध्यान कैसे आकर्षित करते हैं और फिर इस फैन ग्रुप से कैसे डील करते हैं?'इस पर कमिंस झेंप जाते हैं और मुस्कुराते हुए कहते हैं, 'मुझे नहीं पता था आप यह सवाल पूछने जा रही हैं। मैं सिर्फ अपने काम पर ध्यान देता हूं।' इस पर महिला एंकर पूछती हैं, 'क्या आप भी इसे स्वीकार करते हैं?' इस पर कमिंस ने कहा, 'जाहिर है, भारत में काफी फैंस हैं। वे क्रिकेट और इससे जुड़े खिलाड़ियों को लेकर काफी उत्साहित रहते हैं। हालांकि, हम खिलाड़ी ज्यादातर समय टीम के साथ होटल में बिताते हैं। या फिर कई बार परिवार वहां होता है। इसलिए आपको किसी फैन के साथ आमने-सामने बातचीत का मौका नहीं मिलता।'ऑस्ट्रेलियाई कप्तान कमिंस ने बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के दौरान शानदार प्रदर्शन किया था।

ऑस्ट्रेलियन ओपन में प्रभावित नहीं कर सकी युकी ओलिवेटी की जोड़ी, पहले ही दौर में मिली हार

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। युकी और ओलिवेटी को पुरुष युगल के पहले दौर में

वाइल्डकार्ड से प्रवेश पाने वाले ट्रिस्टन स्कूलकेट और एडम वाल्टन की स्थानीय जोड़ी से सीधे सेटों में हार मिली और यह जोड़ी शुरुआती दौर में ही बाहर हो गई।भारत के युकी भांबरी और फ्रांस के उनके जोड़ीदार अल्बानो ओलिवेटी वर्ष के पहले ग्रैंडस्लैम ऑस्ट्रेलियन ओपन में प्रभावित नहीं कर सके और उन्हें पहले ही दौर में हार का सामना करना पड़ा। युकी और ओलिवेटी को पुरुष युगल के पहले दौर में वाइल्डकार्ड से प्रवेश पाने वाले ट्रिस्टन स्कूलकेट और एडम वाल्टन की स्थानीय जोड़ी से सीधे सेटों में हार मिली और यह जोड़ी शुरुआती दौर में ही बाहर हो गई। युकी और ओलिवेटी ने एक घंटे 20 मिनट तक चले पुरुष युगल मैच में कई गलतियां की जिसका खामियाजा उन्हें 2-6, 6-7 से हार से चुकाना पड़ा। भांबरी और ओलिवेटी अपने तीन ब्रेक प्वाइंट में से किसी को भी भुनाने में नाकाम रहे और उन्होंने पांच डबल फॉल्ट किए, जबकि ऑस्ट्रेलियाई जोड़ी ने सिर्फ एक बार डबल फॉल्ट किया। पहला सेट आसानी से गंवाने के बाद भांबरी और ओलिवेटी ने दूसरे सेट में चुनौती पेश की लेकिन उन्होंने गलतियां करना जारी रखा जिसका स्कूलकेट और वाल्टन ने पूरा फायदा उठाकर जीत हासिल की। मंगलवार को दुनिया के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी रोहन बोपन्ना और उनके कोलंबियाई जोड़ीदार निकोलस बैरिएंटोस भी पहले दौर में बाहर हो गए थे।

चैंपियंस ट्रॉफी के लिए पाकिस्तान ने चुनी प्रारंभिक टीम, सईम अयूब को मिली जगह

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। अयूब को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच के दौरान टखने में चोट लग गई

थी जिस कारण उन्हें मैदान से बाहर जाना पड़ा था। अयूब को चोट उस वक्त लगी जब सातवें ओवर में वह फील्डिंग के दौरान गिर गए जिससे उनके टखने में गहरी चोट लगी। पाकिस्तान के सलामी बल्लेबाज सईम अयूब को चैंपियंस ट्रॉफी के लिए चुनी गई प्रारंभिक टीम में शामिल किया गया है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) को भरोसा है कि वह आगामी टूर्नामेंट से पहले फिट हो जाएंगे। वह फिलहाल दाहिने टखने की चोट से उबर रहे हैं।अयूब को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच के दौरान टखने में चोट लग गई थी जिस कारण उन्हें मैदान से बाहर जाना पड़ा था। अयूब को चोट उस वक्त लगी जब सातवें ओवर में वह फील्डिंग के दौरान गिर गए जिससे उनके टखने में गहरी चोट लगी। उन्हें मैदान से बाहर ले जाया गया और फिर पीसीबी ने अयूब के छह सप्ताह तक मैदान से बाहर होने की पुष्टि की थी। चैंपियंस ट्रॉफी की शुरुआत 19 फरवरी को होनी है, जबकि फाइनल नौ मार्च को खेला जाएगा। यह टूर्नामें आठ टीमों के बीच खेला जाएगा। अब तक छह देशों ने अपनी-अपनी टीम की घोषणा कर दी है। वहीं, भारत और पाकिस्तान ने अब तक स्क्वॉड जारी नहीं किया है। बीसीसीआई 19 जनवरी तक टीम का एलान कर सकता है। यह तय माना जा रहा है कि पाकिस्तान की टीम में शाहीन शाह अफरीदी, हारिस रऊफ, नसीम शाह, फखर जमां और शादाब खान जैसे दिग्गज खिलाड़ियों को मौका मिलेगा। वहीं, एक सूत्र ने पीटीआई से कहा कि चयनकर्ताओं ने सईम को शामिल किया है हालांकि अभी वह पूरी तरह से फिट नहीं है। दरअसल, प्रारंभिक टीम में बदलाव 13 फरवरी तक किए जा सकते हैं। सलामी बल्लेबाज इस समय पीसीबी के खर्च पर लंदन में इलाज करा रहे हैं। सूत्र ने कहा, सईम अभी भी लंदन में हैं क्योंकि अगर डॉक्टर कहते हैं तो वह रिहैबिलिटेशन वहीं शुरू करेगा और डॉक्टर देख भी सकेंगे कि वह ठीक हो रहा है या नहीं। अगर इस सप्ताह अंतिम टेस्ट रिपोर्ट आने के बाद डॉक्टर कहते हैं कि रिहैबिलिटेशन लाहौर में हो सकता है तो वह लौट आएगा।

क्या भारतीय टीम में राहुल और शमी को मौका मिलेगा, अक्षर-जडेजा में कौन होगा स्क्वॉड में

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। फाइनल के बाद से भारत ने छह वनडे खेले हैं जिसमें शमी और जडेजा को आराम दिया गया, लेकिन राहुल को दक्षिण अफ्रीका और श्रीलंका में द्विपक्षीय सीरीज में टीम में जगह मिली। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए एक दो दिन में टीम का एलान हो सकता है। 12 जनवरी टीम के एलान की अंतिम तारीख है। खराब फॉर्म से जूझ रहे रोहित शर्मा और विराट कोहली भारतीय वनडे टीम में बल्लेबाजी की धुरी होंगे, लेकिन जब अजीत अगरकर की अगुआई वाली चयन समिति स्क्वॉड चुनने के लिए बैठेगी, तो कम से कम तीन सीनियर खिलाड़ी ऐसे हैं जिनके नाम पर चयनकर्ताओं को माथापच्ची करनी होगी। केएल राहुल, मोहम्मद शमी और रवींद्र जडेजा की 19 फरवरी से शुरू हो रहे इस टूर्नामेंट के लिए टीम में जगह पक्की नहीं है। हालांकि वे पिछले साल विश्व कप टीम का हिस्सा थे।फाइनल के बाद से भारत ने छह वनडे खेले हैं जिसमें शमी और जडेजा को आराम दिया गया, लेकिन राहुल को दक्षिण अफ्रीका और श्रीलंका में द्विपक्षीय सीरीज में टीम में जगह

मिली। श्रीलंका के खिलाफ राहुल को सीरीज के बीच से बाहर किया गया। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 19 नवंबर 2023 को मिली हार के प्रमुख कारणों में सौ से अधिक गेंदों में उनका अर्धशतक शामिल था। समझा जाता है कि यशस्वी जायसवाल को वनडे टीम में जगह मिलने की संभावना है। इससे शीर्ष चार में बायें हाथ का एक बल्लेबाज होगा। न्यूज एजेंसी पीटीआई के मुताबिक, ऋषभ पंत अगर विकेटकीपिंग के लिए पहली पसंद होते हैं तो राहुल को बैकअप रखने का कोई मतलब नहीं है। राहुल अगर विकेटकीपिंग नहीं कर रहे हैं तो बतौर बल्लेबाज टीम में उनकी जगह पक्की नहीं है। उनके करीबी प्रतिद्वंद्वियों में ईशान किशन ने विजय हजारे ट्रॉफी में रन नहीं बनाए, जबकि संजू सैमसन को शुरूआती मैचों से बाहर रहने के बाद केरल टीम में चुना नहीं गया। कोच गौतम गंभीर की अगर चयन मामलों में अभी भी चलती है तो सैमसन उनके पसंदीदा होने के कारण टीम में आ सकते हैं। भारत को चैंपियंस ट्रॉफी में अपने मैच दुबई में खेलने हैं और बांग्लादेश के खिलाफ पहला मैच 20 फरवरी को खेला जायेगा। भारत ने सुरक्षा कारणों से पाकिस्तान में खेलने से इनकार किया है। सफेद गेंद के प्रारूप में जडेजा का फॉर्म उतना अच्छा नहीं रहा है और पीटीआई के सूत्रों का मानना है कि चयन समिति को वनडे में अक्षर पटेल बेहतर विकल्प लगते हैं। वॉशिंगटन सुंदर का चयन तय लग रहा है, लेकिन कुलदीप यादव की फिटनेस पर चयनकर्ता नजर रखे हुए हैं। वह पूरी तरह फिट लग रहे हैं, लेकिन विजय हजारे ट्रॉफी में एक भी मैच नहीं खेला। उनके नहीं खेलने पर रवि बिश्नोई या वरूण चक्रवर्ती को मौका मिल सकता है। तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी की फिटनेस को लेकर चयन समिति के सामने तस्वीर स्पष्ट नहीं है। उन्होंने विजय हजारे ट्रॉफी में पिछले दो मैचों में आठ आठ ओवर फेंके। अगर जसप्रीत बुमराह कमर की तकलीफ के कारण नहीं खेल पाते हैं तो शमी का अनुभव काफी उपयोगी साबित हो सकता है। रिजर्व बल्लेबाजों में रिंकू सिंह और तिलक वर्मा में से एक विकल्प हो सकता है। रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल, यशस्वी जायसवाल, विराट कोहली, केएल राहुल, ऋषभ पंत, हार्दिक पांड्या, अक्षर पटेल, वरूण चक्रवर्ती/रवि बिश्नोई, वॉशिंगटन सुंदर, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, अर्शदीप सिंह, आवेश खान/मोहम्मद शमी, रिंकू सिंह/तिलक वर्मा।

मेरा परिवार कोहली को पसंद करता है, वह मेरे आदर्श हैं', भारतीयों से भिड़ने के बाद बोले कोंस्टास

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। कोंस्टास ने कोहली से भिड़ंत के बाद की कहानी बताई। उन्होंने कहा कि उन्होंने विराट से

कहा कि वह उन्हें अपना आदर्श मानते हैं और उनके खिलाफ खेलना सम्मान की बात है। ऑस्ट्रेलिया के युवा बल्लेबाज सैम कोंस्टास ने मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) पर बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के चौथे टेस्ट के दौरान भारत के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली के साथ टक्कर के बाद उनके साथ हुई अपनी बातचीत का खुलासा किया है। कोंस्टास ने कोहली को अपना आदर्श बताया है और कहा कि वह बचपन से उन्हें देखते हुए बड़े हुए हैं। साथ ही यह भी कहा है कि उनका पूरा परिवार कोहली से बेहद प्यार करता है। दरअसल, बॉक्सिंग डे टेस्ट के दौरान ओवर के बीच में 19 वर्षीय कोंस्टास और कोहली के बीच टक्कर हुई थी। इस मामले में कोहली पर मैच फीस का 20 प्रतिशत जुर्माना लगा था। इस टेस्ट में कोंस्टास ने ऑस्ट्रेलिया के लिए डेब्यू किया था और उन्होंने मौजूदा समय में दुनिया के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की गेंद पर रैंप शॉट समेत कुछ बेहतरीन शॉट्स लगाकर सुर्खियां बटोरी थीं। कोंस्टास इसके बाद सिडनी टेस्ट में बुमराह से भी भिड़े थे। हालांकि, अब उन्होंने कोहली को लेकर अपने मन की बात कही है। फॉक्स क्रिकेट ने कोड स्पोर्ट्स को दिए इंटरव्यू में कोंस्टास ने कोहली से भिड़ंत के बाद की कहानी बताई। उन्होंने कहा कि उन्होंने विराट से कहा था कि वह उन्हें अपना आदर्श मानते हैं और उनके खिलाफ खेलना सम्मान की बात है। कोंस्टास ने कहा, 'मैंने खेल के बाद थोड़ी सी बात की थी कि मैं उन्हें आदर्श मानता हूं।

राशि फल

कुछ कार्य जिसकी पिछले कुछ दिनों से प्लानिंग चल रही है, आज शुरू हो सकता है, जिससे आपको आर्थिक स्थिति में लाभ होगा। व्यापार-व्यवसाय में परिवर्तन की योग बन रहे है	आज का दिन अच्छा है। परिवार में कोई नया सदस्य आ सकता है। आपके स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव देखने को मिलेगा। व्यापार आदि में सहयोगी पार्टनर के माध्यम से आय के नए स्रोत बनेंगे	किसी कार्य विशेष को लेकर आज यात्रा आदि पर बाहर जा सकते हैं। यात्रा में सावधानी बरतें, नहीं तो आपको नुकसान हो सकता है। साथ ही परिवार में किसी अपने के स्वास्थ्य से आप चिंतित रह सकते हैं।	आज आप व्यर्थ की भागदौड़ से परेशान हो सकते हैं। आपका मन अशांत रहेगा। कार्य की अधिकता के कारण थकावट आदि महसूस होगी।
आज आप मानसिक रूप से उलझे रहेंगे। किसी बात को लेकर परिवार में परेशानी बढ़ सकती है, लेकिन आप अपनी कुशलता से उसे हल करने में सफल होंगे। स्वास्थ्य ठीक रहेगा।	नौकरी आदि के लिए यदि प्रयास कर रहे है तो, आज आपको सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य आपका ठीक रहेगा, परंतु परिवार में माता-पिता का स्वास्थ्य बिगड़ सकता है।	आज आपका कोई महत्वपूर्ण कार्य न होने से आप मानसिक तौर से परेशान रह सकते है। आर्थिक स्थिति के कारण आपको किसी से मदद मांगनी पड़ सकती है। व्यापार-व्यवसाय में भी इस समय गिरावट महसूस होगी।	आज आप पतनी के स्वास्थ्य को लेकर कुछ परेशान रहेंगे। परिवार के लोग सहयोग करेंगे। व्यापार-व्यवसाय में अपने साथियों के विरोध के कारण आपको बड़ा नुकसान हो सकता है।
स्वास्थ्य को लेकर आप परेशान हो सकते हैं। साथ ही नौकरी आदि में अधिकारी वर्ग से मतभेद बढ़ने से आपकी परेशानी बढ़ेगी।	आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहेगा। किसी अपने के द्वारा आपको कार्यक्षेत्र में बड़ा काम मिल सकता है, जिस कारण मन प्रसनन रहेगा।	आत्मविश्वास में कमी रहेगी। मानसिंक शांति रहेगी लेकिन असंतोष भी रहेगा। परिवार में शांति बनी रहेगी। पिता का सहयोग मिलेगा।	मान-सम्मान बढ़ेगा। नौकरी में पदोन्नति के योग हैं। आत्मविश्वास बन रहेगा। शिक्षा से जुड़े काम सफल होंगे।

छह महीने में ही खराब हुए पेरिस ओलंपिक के पदक, मनु भाकर के पदक बदले जाने की उम्मीद

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। हाल के दिनों में दुनिया भर के कई एथलीटों ने सोशल मीडिया पर खराब हुए पदकों की तस्वीरें पोस्ट की थी। यह पता चला है कि मनु के पदकों का रंग उतर गया है और वे खराब स्थिति में हैं। भारत की स्टार निशानेबाज मनु भाकर के पेरिस ओलंपिक में जीते कांस्य पदक महज छह महीने में ही खराब पड़ने लगे और दो बार की ओलंपिक पदक विजेता को उम्मीद है कि उनके ये पदक बदले जाएंगे। मनु उन खिलाड़ियों के बड़े समूह में से हैं जिन्होंने शिकायत की है कि उनके पदक खराब हो चुके हैं। मालूम हो कि पिछले साल जुलाई-अगस्त में पेरिस ओलंपिक का आयोजन हुआ था जिसमें मनु ने अलग-अलग वर्ग में दो कांस्य अपने नाम किए थे। हाल के दिनों में दुनिया भर के कई एथलीटों ने सोशल मीडिया पर खराब हुए पदकों की तस्वीरें पोस्ट की थी। यह पता चला है कि मनु के पदकों का रंग उतर गया है और वे खराब स्थिति में हैं। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) ने कहा कि क्षतिग्रस्त पदकों को मोनैई डे पेरिस (फ्रांस का राष्ट्रीय टकसाल) द्वारा व्यवस्थित रूप से बदला जाएगा। खिलाड़ियों को मिलने वाला नया पदक पुराने के समान ही होगा। प्रत्येक ओलंपिक पदक के केंद्र में लगे लोहे के टुकड़ों का वजन 18 ग्राम (लगभग दो-तिहाई औंस) होता है। मोनैई डे पेरिस फ्रांस के लिए सिक्के और अन्य मुद्रा तैयार करती है। पेरिस ओलंपिक की आयोजन समिति सभी क्षतिग्रस्त पदक बदलने के लिए मोनैई डे पेरिस के साथ मिलकर काम कर रही है। पेरिस ओलंपिक और पैरालंपिक 2024 में

दिए गए पदकों में प्रतिष्ठित एफिल टॉवर के टुकड़े शामिल थे। पेरिस 2024 के लिए 5084 स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक महंगे आभूषण और घड़ी बनाने वाली कंपनी चौमेट द्वारा डिजाइन किए गए थे और मोनाई डे पेरिस ने इनका निर्माण किया था। मनु एक ही ओलंपिक में दो पदक जीतने वाली आजाद भारत की पहली खिलाड़ी हैं। उन्होंने व्यक्तिगत 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में कांस्य पदक जीतकर इन खेलों में भारत के पदक का खाता खोला था। वह ओलंपिक पदक जीतने वाली देश की पहली महिला निशानेबाज बनीं थी। इस 22 वर्षीय खिलाड़ी ने इसके बाद सरबजोत सिंह के साथ मिलकर 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम में कांस्य पदक जीता था। मनु को पेरिस ओलंपिक में उनके शानदार प्रदर्शन के दम पर खेल पुरस्कार से सम्मानित करने का फैसला किया गया था। मनु उन चार खिलाड़ियों में शामिल हैं जिसे खेल के सर्वोच्च व्यक्तिगत पुरस्कार खेल रत्न से सम्मानित किया जाएगा। खेल मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय खेल पुरस्कार 2024 का एलान हाल ही में किया गया था। राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू 17 जनवरी को राष्ट्रपति भवन में विजेताओं को सम्मानित करेंगी।

सम्पादकीय

बलोचिस्तान प्रांत में 'सोन चिड़िया' के शिकार के लिए आता है शाही परिवार

कुछ दिनों पहले पाकिस्तान के बलोचिस्तान प्रांत के दूर-दराज जिले दलबंदीन में स्थित हवाईपट्टी पर दो विशेष हवाईजहाज बड़ी शान-ओ-शौकत के साथ उतरे। उसमें सवार था सऊदी अरबिया के शाही खानदान के सुल्तान बिन अब्दुल अजीज के परिवार का काफिला। वैसे तो इतने पिछड़े हुए गरीब इलाके में इस शाही ठाठ-बाट को देखकर कोई भी अचंभित हो सकता था लेकिन वहां के लोगों के लिए यह कोई नई बात नहीं थी। वो इसलिए क्योंकि पिछले कई सालों से सर्दियों के मौसम में ये शेख परिवार इस इलाके में पूरे बंदोबस्त के साथ एक दो महीना गुजारता है। उनका मकसद होता है केवल शिकार- तलोर यानी हाउब्रा बूस्टरड का शिकार।वैसे तो हाउब्रा बूस्टरड मूलरूप से मध्य एशियाई क्षेत्र में पाया जाता है मगर सर्दी के मौसम में ये पक्षी पाकिस्तान के सिंध, बलूचिस्तान और पंजाब में प्रवास करते हैं। ये निराला पक्षी भारत में भी पाया जाता है और यहां इसे सोन चिड़िया के नाम से जाना जाता है। खाड़ी देशों के अरब शेखों के लिए इस तलोर (या तल्लूर) की खासी अहमियत है।शेख परिवार इनके शिकार के लिए बंदूक की बजाय पालतू बाज का इस्तेमाल करते हैं। शिकार करने से पहले बाज को प्रशिक्षण देना और शिकार के वक्त उसकी उड़ान को परखना और जब वो तल्लूर को जकड़ कर ले आए तो फिर चैन से तल्लूर का मांस पकाना और उसका सेवन करना। ये शेख परिवार सर्दियों का लुत्फ़ कुछ इस तरह ही उठाते हैं। आजकल तो बाज के पंजों में जी पी एस ट्रैकर और कैमरा जैसे आधुनिक यंत्र लगा कर वो इस लुत्फ को और भी दुगुना कर रहें हैं । बस यही है इन अमीर परिवारों के नवाबी शौक पूरा करने का जरिया। उनका यह शौक पाकिस्तान में मुसलसल पूरा होता है। दरअसल पाकिस्तान हर साल अरब शेखों के इस शौक़ को बनाए रखने के लिए सऊदी अरब क़तर बहरीन संयुक्त अरब अमीरात के शाही परिवारों को परमिट प्रदान करता है। मजे की बात ये है कि तलोर का शिकार आम पाकिस्तानियों के लिए प्रतिबंधित है। इसके बावजूद अरब के शाही परिवार के सदस्यों को इसकी अनुमति दी जाती है। शेखों को दी जाने वाली इस रियायत के दो मुख्य कारण है जिनमें सबसे पहला है इसके द्वारा आने वाला वित्तीय फायदा। 1970 के दशक के बाद से अरब शेखों और खाड़ी देशों के शाही परिवारों को जहां इस शिकार के लिए आमंत्रित किया जाने लगा था वहीं उनसे अच्छी खासी फीस भी बटोरी जाने लगी । ऐसा अंदाजा है कि टोली के हर सदस्य पर तकरीबन दस हजार डॉलर और हर बाज के लिए एक हजार डॉलर की फीस के साथ साथ परमिट जारी करने का भी अलग से शुल्क लिया जाता है। इस परमिट में दिनों की संख्या के अलावा शिकार हेतु पक्षियों की मात्रा और बाज़ के उपयोग की सीमा भी निर्धारित होती है। हर शाही परिवार को आमतौर पर वही स्थान शिकार के लिए आवंटित होता है जिससे उन्हें इलाके की पूरी तरह जानकारी रहे मसलन कतर के शाही परिवार को बलोचिस्तान और संयुक्त इमारत के सुल्तान को दक्षिण पंजाब के शिकारगाहों पर हक है। हर साल पच्चीस तीस शाही परिवार को परमिट देने का मतलब है कि सालाना अच्छी खासी मोटी रकम पाकिस्तान सरकार के खाते में पहुंच जाती है। इसके अलावा पिछले कुछ सालों से पाकिस्तान ने अपनी विदेश नीति में भी तल्लूर के शिकार को खासा महत्व देना शुरू कर दिया है। शाही परिवार की इन निजी शौकिया यात्राओं का उपयोग पाकिस्तान सरकार इन देशों के साथ राजनयिक संबंध बढ़ाने के लिए भी करती रही है। पाकिस्तान के एक नामी-गिरामी मंत्री ने तो कुछ साल पहले ये तक कह दिया था कि ङ्घपाकिस्तान इस खेल और शौक को प्रोमोट करता है क्योंकि हमारे पास भारत की तरह नाइट क्लब नहीं है ।

क्या नया भवन कांग्रेस की सियासी तकदीर भी बदलेगा

संस्थागत विकास के प्रति यह उदासीनता या विवशता अमूमन सत्ता गंवाने पर तो रहती ही हैं, सत्ता मिलने पर भी रहती है। यूं कुछ दूसरी पार्टियों ने समय रहते अपने भवन खड़े कर लिए हैं, लेकिन इस मामले में सबसे ज्यादा सजग भारतीय जनता पार्टी दिखती है। दुनिया की सबसे पुरानी और अब तक सक्रिय आधा दर्जन पॉलिटिकल पार्टियों में से एक करना बहुत मायने नहीं रखता।संस्थागत विकास के प्रति यह उदासीनता या विवशता अमूमन सत्ता गंवाने पर तो रहती ही हैं, सत्ता मिलने पर भी रहती है। यूं कुछ दूसरी पार्टियों ने समय रहते अपने भवन खड़े कर लिए हैं, लेकिन इस मामले में सबसे ज्यादा सजग भारतीय जनता पार्टी दिखती है, जिसने अपनी स्थापना के 38 साल बाद अगर इसमें पूर्ववर्ती जनसंघ पार्टी, ब्रिटेन की कंजरवेटिव और लिबरल पार्टी प्रमुख हैं। दुनिया के बाकी लोकतांत्रिक देशों में राजनीतिक पार्टियों का गठन ज्यादातर 20 वीं सदी की शुरूआत में हुआ। कुछ देशों में 19 वीं सदी में दलीय लोकतंत्र की शुरूआत हुई भी तो वो पार्टियां अब राजनीतिक नक्शों से गायब हैं। अगर कांग्रेस की ही बात की जाए तो भारत में अंग्रेजों से आजादी के संघर्ष की अपना दफ्तर भी होना चाहिए। जो जानकारी उपलब्ध है, उसके मुताबिक आजादी के बाद से लेकर अब नया भवन बनने तक कांग्रेस का दफ्तर पांच जगहों पर चला। इस बीच देश ने कांग्रेस के 6 प्रधानमंत्री देखे। आनंद भवन के बाद कांग्रेस कार्यालय दिल्ली के 7 जंतर-मंतर से चला, जो 1969 तक कांग्रेस के पहले विभाजन तक रहा। इसके बाद कांग्रेस कार्यालय विंडसर के लिए भी कहा गया। लेकिन 1991 में राजीव गांधी की हत्या ने सब कुछ बदल दिया। बाद में यूपीए 2 राज में केन्द्रीय शहरी विकास मंत्रालय नए नियमो के तहत कांग्रेस को भवन बनाने के लिए चार एकड़ का प्लॉट आवंटित किया। उसी समय भाजपा को भी मुख्यालय भवन बनाने के लिए जमीन आवंटित की गइ थी। कांग्रेस के नए भवन का शिलान्यास भी 2013 में तब यहां भी पीछा नहीं छोड़ रहा। नए भवन को 'इंदिरा भवन' नाम दिया गया है। इस पर भी कई लोगों को ऐतराज है। कहा जा रहा है कि पार्टी कम से कम नामकरण के मामले में तो किसी गैर गांधी को श्रेय दे सकती थी। क्योंकि इस भवन को बनाने में इंदिराजी का कोई योगदान नहीं है। इसलिए भी क्योंकि पार्टी इन दिनो अंबेडकर के अपमान और संविधान बचाने का आंदोलन छेड़े हुए है। जबकि भाजपा स्व. इंदिराजी पर संविधान के अपमान और उसे बदलने का आरोप लगाती रही है। पार्टी चाहती तो नए भवन का नामकरण कांग्रेस भवन भी कर सकती थी, जिसमें कांग्रेस को बनाने में योगदान देने वाले सभी नेताओं और कार्यकर्ताओं का समावेश हो जाता। किसी राजनीतिक पार्टी का मुख्यालय कब बनता है या नहीं बनता है, इस सवाल को गौण मानें तो भी यह प्रश्न बहुत मौजू है कि क्या नया भवन और पार्टी मुख्यालय कांग्रेस का सियासी भविष्य बदलेगा या नहीं? 2024 के आम चुनावों ने कांग्रेस के लिए थोड़ी उम्मीद जगाई थी, लेकिन विधानसभा चुनावों में वह धूमिल होती दिखी। पार्टी को स्थायी पता जरूर मिल गया है कि आने वाले वक्त में जनसमर्थन का ग्राफ कितना उछलेगा या और नीचे जाएगा, इसका पता खुद पार्टी नेताओं को भी नहीं है। 24 अकबर रोड पर कार्यालय शिफ्ट करते वक्त श्रीमती इंदिरा गांधी ने कहा था कि मैंने एक नहीं, दो-दो बार पार्टी को शून्य से खड़ा किया है। मेरा मानना है कि कांग्रेस का नया मुख्यालय आने वाले दशकों में कांग्रेस के कार्यकर्ताओं में ऊर्जा और उत्साह का संचार करता रहेगा।ठ क्या कांग्रेस के नए भवन के उद्घाटन समारोह में राहुल गांधी के संबोधन के बाद वैसा ही माहौल बन सकेगा कि कांग्रेस पहले जैसी निर्णायक स्थिति आ जाए या फिर वह अपने अस्तित्व के अंतिम चरण में जा पहुंचेगी, इसका जवाब आने वाला वक्त देगा। लेकिन यह पार्टी के अपने चश्मे की बात है। हालांकि किसी वास्तु का भी अपना महत्व होता है। नई वास्तु राजनीतिक लाभ का चौघडिया लेकर आएगी या नहीं, कहना मुश्किल है।

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस को अपने जन्म के 140 साल बाद खुद का भवन मिल गया। पार्टी का नया और स्थायी पता अब 9 ए कोटला रोड हो गया है। आजादी के पश्चात देश पर 60 साल तक राज करने वाली इस अनुभवी पार्टी को अपना दफ्तर बनाने में इतने साल क्यों लग गए, यह भी अपने आप में शोध का विषय है। कुछ लोगों का मानना है कि राजनीतिक पार्टियों का मुख्य ध्येय सत्ता में बने रहना, अपनी विचारधारा के अनुरूप सरकार चलाना और जन कल्याण के काम करते है न कि भवन खड़े करना।काम तो कहीं से भी किया जा सकता है। क्या और कैसे किया जा रहा है, यह ज्यादा महत्वपूर्ण है। दूसरे शब्दों में कहें तो ज्यादातर सियासी पार्टियां संगठन को संस्थागत रूप देने में लापरवाह रहती हैं। उनका काम तदर्थवाद पर ही चलता रहता है। ऐसे में भवन खड़े करना या न को भी जोड़ लें तो 67 साल बाद देश की राजधानी में अपना आलीशान दफ्तर बना लिया था।बेशक, राजनीतिक काम अपने स्वयं के दफ्तर से चले या किराए के मकान से, यह बात दीर्घकालिक लक्ष्य के लिहाज से भले गौण लगे, लेकिन पार्टी का स्वयं सुविधासम्पन्न दफ्तर न केवल नेताओं बल्कि सम्बन्धित पार्टी के कार्यकर्ताओं को भी अलग तरह का आत्मविश्वास और आश्वस्ति प्रदान करता है, इसमें दो राय नहीं। कांग्रेस के संदर्भ में यह बात और भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि वह इस देश की लगभग डेढ़ सौ साल से मुख्य धारा की पार्टी रही है और अब भी सबसे बड़ा विपक्षी दल है। दुनिया में ऐसी गिनी-चुनी पार्टियां ही हैं, जिनकी स्थापना 19 वीं सदी की शुरूआत या उत्तरार्द्ध में हुई और वो अभी भी अपनी राजनीतिक प्रासंगिकता कायम रखे हुए हैं। इनमें अमेरिका की डेमोक्रेटिक पार्टी व रिपब्लिकन मुख्य धारा रही है। वह स्वयं एक आंदोलन के रूप में जन्मी और स्वतंत्रता पाने तक केन्द्रीय भूमिका निभाती रही। कांग्रेस की स्थापना 28 दिसंबर 1885 को बंबई (अब मुंबई) में हुई थी। लेकिन तब से लेकर 15 अगस्त 1947 तक उसका अपना कोई स्थायी कार्यालय नहीं था। माना जाता है कि आजादी के पहले तक कांग्रेस का कामकाम इलाहाबाद स्थित आनंद भवन से चलता था, जो पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू का पैतृक निवास था और बाद में उसे उनकी बेटी श्रीमती इंदिरा गांधी ने देश को समर्पित कर दिया था। आनंद भवन से भी पहले कांग्रेस का काम अलग-अलग जगहों से संचालित होता रहा था। क्योंकि देश को आजाद कराना सबसे बड़ा लक्ष्य था। लेकिन अचरज की बात यह है कि स्वतंत्रता प्राप्ति और देश की सत्ता पर लंबे समय तक काबिज रहने के बाद भी कांग्रेस को नहीं लगा कि उसका प्लेस में शिफ्ट हुआ, जो तत्कालीन कांग्रेस नेता एम.वी. कृष्णा का निवास था। 1971 में कांग्रेस का दफ्तर वहां से हटकर 5 राजेन्द्र प्रसाद रोड पहुंचा। 1977 के आम चुनाव में कांग्रेस की हार के बाद 1978 में कांग्रेस कार्यालय 24 अकबर रोड शिफ्ट हुआ, जो नया भवन उद्घाटित होने के पहले तक कायम था। यह कांग्रेस सांसद जी वेंकटासामी का निवास था, जो विभाजन में इंदिराजी के साथ आ गए थे। तब इंदिरा गांधी अपने 20 समर्थको के साथ इस नए दफ्तर में दाखिल हुई थीं, जबकि पार्टी के 5 राजेन्द्र प्रसाद रोड पर कांग्रेस के मोरारजी देसाई गुट ने कब्जा कर लिया था। बताया जाता है कि पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी 1985 में (कांग्रेस स्थापना का शताब्दी वर्ष) में दिल्ली में 5 राजेन्द्र प्रसाद रोड पर पार्टी का एक आधुनिक भवन बनाना चाहते थे। इसके लिए कांग्रेस सांसदों को एक माह का वेतन देने हुआ, तब देश की सियासी तासीर बदल रही थी। अगले आम चुनाव में कांग्रेस सत्ता से बुरी तरह बेदखल हो गई। लेकिन विपक्ष में रहते हुए भी पार्टी 12 साल में अपना भवन बना सकी। अगर इसकी तुलना भाजपा से करें तो उसने केन्द्र में पूर्ण बहुमत की सरकार बनते ही पहला काम अपना भवन बनाने का किया। 6 दीनदयाल मार्ग स्थित यह भवन 14 माह में बनकर तैयार हुआ। इसे किसी व्यक्ति के बजाए भारतीय जनता पार्टी भवन ही नाम दिया गया है। हालांकि इसकी लागत कितनी है, यह साफ नहीं है, लेकिन कांग्रेस कमलनाथ ने आरोप लगाया था कि भाजपा ने मुख्यालय के निर्माण पर 700 करोड़ रू. खर्च किए। जबकि कांग्रेस के नए मुख्यालय पर 292 करोड़ रू. खर्च होना बताया गया है। मगर देर आयद, दुरूस्त आयद। कांग्रेस का अपना नया भवन बनकर उद्घाटित हो चुका है। लेकिन बवाल

शरणार्थियों के बोझ से कराहता मिजोरम

राज्य सरकार अब तक इन शरणार्थियों पर करीब 25 करोड़ रुपए खर्च कर चुकी है। उसके अलावा कई गैर-सरकारी संगठन भी उनकी मदद करते हैं, उसका कोई हिसाब नहीं है। राज्य सरकार के बार-बार अपील करने के बाद केंद्रीय गृह मंत्रालय ने हाल में शरणार्थियों में राशन बांटने के समयसीमा तय की थी। राज्य के 11 में से सात जिलों में बने करीब डेढ़ सौ राहत शिविरों में 40 हजार से ज्यादा शरणार्थी रह रहे हैं। इनके अलावा हजारों शरणार्थियों ने राज्य में अपने रिश्तेदारों के घर शरण ली है। राज्य सरकार अब तक इन शरणार्थियों पर करीब 25 करोड़ रुपए खर्च कर चुकी है। उसके सीमा नीति के तहत दोनों ओर के लोग बिना किसी कागजात के ही एक-दूसरे की सीमा में 16 किमी तक भीतर जा सकते थे लेकिन इस साल फरवरी में सरकार ने फ्री मूवमेंट रेजिम (एफएमआर) नामक उस समझौते को रद्द कर दिया। बावजूद इसके सीमा खुली होने की वजह से हर महीने सैकड़ों शरणार्थी में शरण ली है। केंद्र सरकार ने मिजोरम को म्यांमार से आने वाले शरणार्थियों का बायोमेट्रिक आंकड़ा जुटाने का निर्देश दिया था लेकिन अब तक यह काम शुरू नहीं हो सका है। राज्य के गृह विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी बताते हैं कि बायोमेट्रिक आंकड़ों के लिए तैयार मौजूदा ऑनलाइन पोर्टल म्यांमार

लिए पांच करोड़ की रकम भेजी है। पूर्वोत्तर राज्य मिजोरम, म्यांमार और बांग्लादेश जैसे पड़ोसी देशों से आने वाले शरणार्थियों के बोझ से कराह रहा है। इससे स्थानीय आबादी का अस्तित्व ही खतरे में पड़ गया है। मिजोरम पूर्वोत्तर में सबसे ज्यादा शरणार्थियों को रखने वाला राज्य है। यहां म्यांमार और बांग्लादेश के अलावा पड़ोसी मिजोरम के करीब 50 हजार शरणार्थी रह रहे हैं। राज्य की आबादी करीब 11 लाख है यानी कुल आबादी का पांच फीसदी शरणार्थी हैं। अब भी सीमा पार से हर महीने सैकड़ों म्यांमारी शरणार्थी राज्य में पहुंचते हैं।दूसरी ओर, राज्य सरकार अब तक म्यांमार से आने वाले शरणार्थियों का बायोमेट्रिव ड आंकड़ा जुटाने का काम भी नहीं शुरू कर सकी है। केंद्र ने दिसंबर तक इस काम को पूरा करने की अलावा कई गैर-सरकारी संगठन भी उनकी मदद करते हैं, उसका कोई हिसाब नहीं है। राज्य सरकार के बार-बार अपील करने के बाद केंद्रीय गृह मंत्रालय ने हाल में शरणार्थियों में राशन बांटने के लिए पांच करोड़ की रकम भेजी है। मिजोरम की 510 किमी लंबी सीमा म्यांमार से लगी है। वर्ष 2021 में वहां सैन्य तख्तापलट के बाद से ही सीमा पार से 30 हजार से ज्यादा शरणार्थियों ने पलायन कर मिजोरम में शरण ली है। सीमा के दोनों ओर चिन समुदाय के लोग ही रहते हैं और उनमें बेटी-रोटी का रिश्ता है। स्थानीय लोगों की भावनाओं को ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार ने भी सीमावर्ती जिलों में बने राहत शिविरों में उनके रहने-खाने का इंतजाम किया है। उनके अलावा हजारों लोग इन इलाकों में बसे अपने रिश्तेदारों के घर रह रहे हैं। पहले म्यांमार के साथ खुली जान बचाने के लिए मिजोरम पहुंच रहे हैं।राज्य सरकार के अलावा सबसे ताकतवर सामाजिक संगठन यंग मिजो एसोसिएशन, चर्च और दूसरे संगठन उनकी मदद कर रहे हैं। केंद्र सरकार उनको शरणार्थी का दर्जा नहीं दे सकती लेकिन मुख्यमंत्री लालदूहोमा ने साफ कर दिया है कि वो किसी भी शरणार्थी को राज्य से नहीं निकालेंगे। मुख्यमंत्री का कहना है कि केंद्र इनको शरणार्थी का दर्जा भले नहीं दे सकता, वह उनको राहत मुहैया कराने के लिए हमारी मदद के लिए सहमत हो गया है। म्यांमार के अलावा कुछ महीने पहले बांग्लादेश के चटगांव पर्वतीय इलाके के करीब दो हजार शरणार्थी राज्य में पहुंचे थे। इसके साथ ही पड़ोसी मणिपुर में जातीय हिंसा शुरू होने के बाद वहां से आने वाले कुकी जो जनजाति के दस हजार से ज्यादा शरणार्थियों ने महीनों से मिजोरम के शरणार्थियों के लिए उपयुक्त नहीं है। यह उन शरणार्थियों के लिए बना है जिनको उनके देश वापस भेजा जाना है। केंद्र ने राज्य सरकार को भरोसा दिया है कि म्यांमार में शांति बहाल नहीं होने तक इन शरणार्थियों को वहां वापस नहीं भेजा जाएगा। राज्य सरकार के एक अधिकारी बताते हैं कि शरणार्थियों की बढ़ती तादाद से राज्य के खजाने पर भी बोझ बढ़ रहा है। यह छोटा-सा पर्वतीय राज्य अपनी 80 फीसदी से ज्यादा वित्तीय जरूरतों के लिए केंद्र पर ही निर्भर है। इसके अलावा स्थानीय लोगों में भी नाराजगी बढ़ रही है। इन शरणार्थियों में कई लोग सीमा पार से हथियारों और दूसरी अवैध वस्तुओं की तस्वीर में जुटे हैं। बीते दो-तीन वर्षो के आंकड़ों से साफ है कि शरणार्थी समस्या बढ़ने के साथ ही सीमा पार से तस्करी की घटनाएं भी बढ़ी हैं।

करोड़ों श्रद्धालुओं के बीच स्वच्छता का हिमालय जैसा संकल्प, आधुनिक तकनीक और सेवा भाव का संगम

महाकुंभ 2025 में स्वच्छता पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, पहले दो स्नान में 5 करोड़ से ज्यादा श्रद्धालु संगम में डुबकी लगा चुके हैं, फिर भी मेला क्षेत्र साफ-सुथरा है। स्वच्छता को डिजिटल माध्यम से भी जोड़ा गया है, ताकि 4200 हेक्टेयर क्षेत्र में फैले मेला क्षेत्र में स्थापित 1.5 लाख शौचालयों की मॉनिटरिंग की जा सके। 'सफाई कर्मियों के के न केवल घाट साफ-सुथरे दिख रहे हैं, बल्कि सड़कों पर 24 घंटे सफाई कर्मी स्वच्छता का विशेष ध्यान दे रहे हैं।उत्तर प्रदेश की योगी सरकार का विशेष फोकस महाकुंभ मेले में स्वच्छता को लेकर शुरुआत से रहा है। इसकी व्यापक तैयारियां पिछले कई महीनों से मेला क्षेत्र में देखी जा रही हैं। इस बार स्वच्छता को डिजिटल माध्यम से भी जोड़ा गया है, ताकि 4200 हेक्टेयर क्षेत्र उठाने के लिए मेला क्षेत्र में दिन-रात दौड़ रहे हैं। 25 हजार से अधिक कचरा पात्र रखवाए गए हैं। गंगा, यमुना और संगम में दूषित पानी न जाए, इसको लेकर सरकार की व्यवस्थाएं सुदृढ़ नजर आती हैं। 200 किलोमीटर से लंबी ड्रेनेज लाइन डाली गई हैं। इसके अलावा, दो नए एफएसटीपी (फिकल स्लज ट्रीटमेंट प्लांट), तीन अस्थाई व 10 स्थाई एसटीपी (सीवेज ट्रीटमेंट सभी 25 सेक्टरों में खोली गई हैं। मेला में उपयोग में लाई गई प्रचार सामग्री भी प्लास्टिक मुक्त है। सरकार ने व्यापक स्तर पर प्लास्टिक उपयोग न करने को लेकर जन-जागरूकता और व्यवहार परिवर्तन की गतिविधियों को चलाया है। इस मुहिम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया है। संघ ने देशभर से 50 लाख स्टील की थाली और कपड़े के थैले

योगदान से कुंभ की पहचान स्वच्छ कुंभ के रूप में हुई है, दिव्य कुंभ को भव्य बनाने में सबसे बड़ा योगदान सफाई कर्मियों का है' तो यह समाचार राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय मीडिया में सुर्खियां बना था। इस बार भी जब प्रधानमंत्री बीते 13 दिसंबर महाकुंभ प्रयागराज में संगम पूजन के लिए आए तो उन्होंने महाकुंभ जैसे दिव्य और भव्य आयोजन को सफल बनाने में स्वच्छता की बड़ी भूमिका की चर्चा की थी। विश्व के सबसे बड़े मेले महाकुंभ में पहले दो प्रमुख स्नान बीत चुके हैं और सरकारी आंकड़ों के अनुसार 5 करोड़ से अधिक श्रद्धालु संगम में डुबकी लगा चुके हैं। इतनी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के आने के बावजूद मेला क्षेत्र में स्वच्छता व्यवस्था में कोई कमी नहीं देख रही है। गंगा, यमुना और संगम में फैले मेला क्षेत्र में स्थापित 1.5 लाख शौचालयों की मॉनिटरिंग की जा सके। शौचालयों की सफाई में कोई कमी ना रहे, इसके लिए 2500 से अधिक गंगा सेवादूत मोबाइल के साथ तैनात हैं, जो बार कोड स्कैन के माध्यम से शौचालय की स्वच्छता और साफ- सफाई की व्यवस्था करते हैं। जेट स्प्रे से शौचालय तत्काल साफ हो रहे हैं। सफाई व्यवस्था के लिए आईसीटी (इनफार्मेशन एंड कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजी) आधारित मॉनिटरिंग सिस्टम एक्टिव किया गया है।मेल क्षेत्र में 15 हजार से अधिक सफाईकर्मी तैनात हैं। जब भी आप महाकुंभ मेला क्षेत्र में निकलेंगे तो आपको जगह-जगह पर सफाई कर्मी झाड़ू लगाते, कचरा उठाते हैं और घाटों को साफ करते दिखेंगे। 40 कम्पेक्टर और 120 टिपर कूड़ा प्लांट) सरकार ने लगाए हैं, ताकि जल निर्मल बना रहे। सरकार ने सफाई कर्मियों के लिए स्वच्छ कुंभ कोष की भी स्थापना की, जिसमें 15 हजार सफाई कर्मियों के लिए बीमा, स्वास्थ्य समेत 6 योजनाओं को संचालित किया जा रहा है। सफाई कर्मियों के लिए आवासीय व्यवस्था (सेनिटेशन कॉलोनी), उनके बच्चों के लिए स्कूल (विद्या कुंभ) और आंगनबाड़ी केंद्र की सुविधा दी जा रही है। सफाई मित्रों को कोई आर्थिक दिक्कत न हो, इसके लिए प्रत्येक 15 दिन की अवधि में उनके खातों में धनराशि स्थानांतरित की जा रही है।स्वच्छता से जुड़ा प्लास्टिक का भी बड़ा विषय है। इस बार महाकुंभ मेला क्षेत्र को प्लास्टिक मुक्त घोषित किया गया है। कुल्हड़, दोना-पत्तल और कपड़े व जूट थैला की दुकान इकट्ठा कर महाकुंभ क्षेत्र में भेजे हैं। अखाड़ों ने महाकुंभ मेले को प्लास्टिक मुक्त बनाने का संकल्प लिया है। उत्तर प्रदेश सरकार का कहना है कि महाकुंभ में 45 करोड़ श्रद्धालु और देश-विदेश से पर्यटक आने वाले हैं। लोगों की इतनी बड़ा संख्या को देखते हुए स्वच्छ महाकुंभ का संकल्प हिमालय जैसी बड़ी चुनौती से कम नहीं है। पहले दो प्रमुख स्नान के बाद निश्चित रूप से मेला प्रशासन अपनी तैयारियों का एक बार पुर्नावलोकन करेगा, लेकिन जिस तरह से सफाई कर्मी, गंगा सेवादूत और मेला प्रशासन 4200 हेक्टेयर में फैले मेला क्षेत्र को स्वच्छ और साफ बनाने में जुटा है, स्पष्ट है कि एक नया स्वच्छता का अनुभव देश-दुनिया से आकर पावन संगम में डुबकी लगाने वालों को मिल रहा है।

मंत्री दिनेश प्रताप सिंह द्वारा जरूरत मन्द लोगों को वितरित किया कम्बल

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
रायबरेली। मा0 राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) उ0प्र0 सरकार दिनेश प्रताप सिंह ने मध्य रात्रि रेलवे स्टेशन, मंशादेवी मन्दिर व सुपर मार्केट का भ्रमण कर शीत लहर व ठंड से बचाव हेतु की गई व्यवस्थाओं का जायजा लिया। मा0 मंत्री जी ने सर्दी के बढ़ते मौसम के मद्देनजर, जनपद के विभिन्न स्थलों का मध्य रात्रि औचक निरीक्षण कर उपलब्ध व्यवस्थाओं को देखा गया तथा उपस्थित कर्मचारियों को निर्देशित किया गया कि रैन बसेरे में आने वाले लोगो को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े, इसके साथ ही यह भी सुनिश्चित कराया जाए कि कोई भी व्यक्ति खुले में न सोए, यदि कही कोई ऐसा दिखे तो उसको पास के रैन बसेरा में शिफ्ट कराया जाए। उन्होंने कहा कि सभी महत्वपूर्ण स्थानों पर जहां जनसामान्य का आवागमन अधिक होता है, वहां पर अलाव की व्यवस्था सुनिश्चित कराई जाए।उन्होंने निर्देशित करते हुए कहा कि रैन बसेरे में अतिरिक्त कंबल तथा अलाव की व्यवस्था भी सुनिश्चित की जाए। साथ ही समस्त रैन बसेरों में समुचित साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखा जाए। निरीक्षण के दौरान मा0 मंत्री जी ने जरूरत मन्द लोगों को कम्बल भी वितरित किए।

जिला स्तरीय बोर्ड ऑफ विजिटर्स द्वारा जिला कारागार का किया गया निरीक्षण

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
रायबरेली। मा0 उच्चतम न्यायालय, नई दिल्ली द्वारा सिविल रिट याचिका संख्या 1404/2023 सुकन्या सान्था बनाम भारत संघ व अन्य में पारित आदेश व माननीय उच्च न्यायालय, इलाहाबाद के निर्देशानुसार गठित बोर्ड ऑफ विजिटर्स द्वारा जिला कारागार का निरीक्षण सोमवार को किया गया। सदस्यों द्वारा बंदियों से उनके रहन-सहन, खाने-पीने के अतिरिक्त उनकी जाति के आधार पर उनसे कार्य में भेदभाव के संबंध में पूछा गया, जिस पर किसी भी बंदी द्वारा कोई भी शिकायत नहीं की गयी। सदस्यों द्वारा पाकशाला का निरीक्षण किया गया। जेल अधीक्षक द्वारा निरीक्षण के समय अवगत कराया गया कि प्रत्येक दिन नवीन बंदियों का जिला कारागार में दाखिला के समय किसी भी अभिलेखों में उसकी जाति का उल्लेख नहीं किया जाता है। पूर्व में इस तरह का कालम हुआ करता था जिसे अब उच्च स्तरीय आदेशों के अनुपालन में हटा दिया गया है। इसके अतिरिक्त सदस्यों द्वारा गैंग बुक का भी अवलोकन किया गया। निरीक्षण के दौरान जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष, बोर्ड ऑफ विजिटर्स राजकुमार सिंह, अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश/सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अनुपम शौर्य, जिलाधिकारी।हर्षिता माथुर, पुलिस अधीक्षक डा0 यशवीर सिंह, मुख्य चिकित्साधिकारी नवीन चंद्रा, बेसिक शिक्षा अधिकारी शिवेन्द्र प्रताप सिंह, जिला कृषि अधिकारी अखिलेश पाण्डेय, जिला सेवा योजनाधिकारी विजय बहादुर सिंह सेंगर, जिला उद्योग अधिकारी परमहंस मौर्या, अधिशाषी अभियन्ता, पी.डब्लू.डी. महिपाल सिंह व जेल अधीक्षक अमन कुमार सिंह एवं जेलर हिमांशु रौतेला उपस्थित रहे।

महिला आयोग सदस्य ने महिला उत्पीड़न से संबंधित सुनीं शिकायतें

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
रायबरेली। उ0प्र0 राज्य महिला आयोग की सदस्य एकता सिंह ने पी0डब्ल्यू0डी0 गेस्ट हाउस में महिलाओं उत्पीड़न व उनकी समस्याओं से जुड़े मुद्दो के बारे में अधिकारियों से समीक्षा की। बैठक के दौरान उन्होंने जन सुनवाई करते हुए घरेलू हिंसा, यौन उत्पीड़न, वैवाहिक समस्या, लैंगिक भेदभाव,शिक्षा व रोजगार संबंधी शिकायत सुनी। उन्होंने महिला थाना अध्यक्ष, जिला प्रोबेशन अधिकारी जयपाल वर्मा को निर्देश दिये कि सभी प्रकरण को संज्ञान में लेते हुए पीड़ित महिलाओ को शीघ्र न्याय दिलाया जाए। निर्देश दिये कि महिलाओं के उत्पीड़न व महिला से जुड़ी शिकायतों का निस्तारण गुणवत्तापूर्वक एवं समयबद्ध तरीके से किया जाये तथा महिलाओं से सम्बन्धित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का प्रचार-प्रसार ग्राम पंचायत व ग्रामीण स्तर पर कराया जाये। जिन प्रकरणों में अभी कार्यवाही लंबित है उन्हें भी आयोग के संज्ञान में लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मा0 मुख्यमंत्री जी का निर्देश है कि महिलाओं और बच्चों से संबंधित प्रकरणों में शीघ्र कार्रवाई की जाए। उन्होंने महिला जन सुनवाई के दौरान प्राप्त शिकायतों को शीघ्र निस्तारित करने का निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि पीड़ित महिलाओं को निःशुल्क विधिक सहायता भी उपलब्ध कराई जाएगी। इस मौके पर जिला प्रोबेशन अधिकारी जयपाल वर्मा, जिला कार्यक्रम अधिकारी विनय सिंह, जिला दिव्यांग कल्याण अधिकारी मोहन त्रिपाठी, जिला समाज कल्याण अधिकारी सृष्टि अवस्थी, जिला विधिक सेवा प्राधिकारण के अधिकारियों सहित अन्य अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहे।

शादी अनुदान योजनान्तर्गत आवेदकों की आय सीमा एक लाख प्रति वर्ष से अधिक नहीं होगी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
रायबरेली। मुख्य विकास अधिकारी अर्पित उपाध्याय ने बताया है कि पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग के शासनादेश द्वारा संचालित शादी अनुदान योजनान्तर्गत आवेदको की आय सीमा में संशोधन किया गया है। जिसके अनुसार शहरी क्षेत्र तथा ग्रामीण क्षेत्र में आवेदक की आय रुपए 1.00 लाख प्रति वर्ष से अधिक नहीं होगी। पिछड़ा वर्ग कल्याण अनुभाग-2 के शासनादेश द्वारा अन्य पिछड़े वर्ग (अल्पसंख्यक पिछड़े वर्ग को छोड़कर) के गरीब व्यक्तियो की पुत्रियों की शादी हेतु अनुदान उपलब्ध कराने के लिए नियमावली/शासनादेश निर्गत किया गया है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में भी ऑनलाइन आवेदन की प्रकिया में आधार प्रमाणीकरण/ई0के0वाई0सी0 लागू है। इस प्रक्रिया के अन्तर्गत आवेदक द्वारा ऑनलाइन आवेदन भरने से पूर्व अपने आधार कार्ड, पुत्री का आधार कार्ड एवं आधार कार्ड से लिंक मोबाइल नम्बर तथा जाति प्रमाण-पत्र, आय प्रमाण-पत्र, बैंक खाते की पासबुक एवं शादी का कार्ड आदि अभिलेख होना आवश्यक है। आवेदक (माता-पिता/अभिभावक) शादी अनुदान पोर्टल पर अपने रजिस्ट्रेशन हेतु अपना आधार नंबर अंकित कर आधार अभिप्रमाणन की प्रक्रिया शुरू करेगा। शादी अनुदान पोर्टल पर आवेदक तथा पुत्री दोनों का आधार आधारित ई-के0 वाई0सी0 सुनिश्चित किया जायेगा। आधार का अभिप्रमाणन पूर्ण होने के उपरान्त प्राप्त रजिस्ट्रेशन नम्बर एवं मोबाइल पर प्राप्त ओ0टी0पी0 के माध्यम से लॉगिन कर आवेदन भरने की प्रक्रिया प्रारम्भ की जायेगी। शादी अनुदान योजनान्तर्गत ऑनलाइन आवेदन शादी की तिथि के 90 दिवस पूर्व तथा 90 दिवस पश्चात तक ही स्वीकार्य है। किन्तु उक्त अवधि की गणना वित्तीय वर्ष अर्थात 01 अप्रैल से 31 मार्च के मध्य होगी। पुत्री की आयु शादी की तिथि को 18 वर्ष या उससे अधिक एवं वर की आयु 21 वर्ष या उससे अधिक हो। एक परिवार से अधिकतम 02 पुत्रियों की शादी हेतु अनुदान अनुमन्य होगा। पति की मृत्यु के उपरान्त निराश्रित महिला एवं दिव्यांग आवेदको को वरीयता प्रदान की जायेगी। शादी अनुदान की धनराशि नियमानुसार पात्र लाभार्थियों के खातों में रू0 20 हजार ई0 पेमेन्ट के माध्यम से प्रेषित की जायेगी। योजनान्तर्गत पात्र एवं इच्छुक व्यक्ति उक्त शादी अनुदान पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन कर आवेदन की हार्डकॉपी समस्त संलग्नको सहित सम्बन्धित तहसील अथवा विकास खण्ड में जमा कर योजना का लाभ प्राप्त कर सकते है।

भाजपा नेता विपिन तिवारी ने अपने आवास पर जरूरतमंदों को 800 कंबल वितरण किया

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र ।करमा विकास खण्ड के गाँव शिवदत्त तीयरा मे काशी प्रान्त के भाजपा मिडिया प्रभारी विपिन तिवारी के आवास पर जरूरतमंदों को सर्द भरी हवा में देवेंद्र भाई पटेल प्रदेश महामंत्री भाजयुमो ने मुख्यअतिथि के रूप मे कंबल वितरण किया जानकारी के अनुसार विकास खण्ड करमा के ग्राम शिवदत्त तीयरा मे बुधवार को काशीप्रान्त के भाजपा मिडिया प्रभारी विपिन तिवारी के आवास पर कड़ाके के सर्द भरी हवाओं व सीतलहर मे गरीब असहाय जरूरतमंदों को मुख्यतिथि देवेंद्र भाई पटेल ने 800कंबल वितरण किया इस अवसर पर कंबल पाकर जरूरतमंदों के चेहरे पर मुस्कान देखी गयी इस अवसर पर मुख्यअतिथि श्री पटेल ने उपस्थित लोगों को सम्बोधित करते हुए कहा की यह कंबल वितरण कार्यक्रम पुनीत का कार्य है इससे जरूरतमंदों की जरूरतें कुछ हदों तक सुकून प्रदान करेंगी मै मंच के माध्यम से श्री तिवारी जी का आभार प्रकट करता हूँ की आप के द्वारा ऐसा पुनीत कार्यक्रम किया गया और लोगों को कंबल मेरे द्वारा दिलवाया गया त् इसी क्रम मे विशिष्टअतिथि के रूप मे भाजपा किसान मोर्चा के जिलाउपाध्यक्ष राजेश कुमार मिश्रा ने कहा की यह कंबल वितरण कार्यक्रम इस सर्द भरी हवा मे माघ कुम्भ मेला का पुण्यप्रदान करने वाला जैसा फल है त् वही अतिथि के रूप मे पधारे मंचासीन राम सेवक मौर्य किसान सहकारी समिति के अध्यक्ष ने सम्बोधन करते हुए कहा की यह सबसे पुण्य प्रदान करने वाला फल है ऐसे कार्यक्रम क्षेत्र के लिए गौरव की बात है त् इस मोके पर आये हुए सम्भ्रान्त जनो को अंगवस्त्रम व माल्यार्पण कर कार्यक्रम संयोजक विपिन तिवारी द्वारा स्वागत किया गया त् इस अवसर पर श्री तिवारी ने आये हुए मुख्यअतिथियों का आभार प्रकट करते हुए कहा की यह कार्यक्रम लगभग विगत दस वर्षो से किया जा रहा है यह कर्यक्रम अनवरत समयानुसार चलता रहेगा इस तरह के कार्यक्रम करने से मेरे ह्रदय को सुकून मिलता हैत्कार्यक्रम का संचालन पूर्व महामंत्री करमा मंडल मनीष मिश्रा ने किया इस असवर पर रबिंन्द्र बहादुर सिंह, गोपाल सिंह बैध,पूर्व प्रधान लल्लन मिश्रा, महबूब अली,प्रमोद सिंह, देवेंद्र सिंह, बृजेश सिंह, प्रभात सिंह संतोष त्रिपाठी, अजय, बालेन्दर पटेल सहित हजारों की संख्या मे लोग उपस्थित रहे ।

नोएडा मीडिया क्लब में पत्रकार कल्याण कोष समिति की हुई बैठक

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नोएडा। मीडिया क्लब वरिष्ठ पत्रकार स्व. विवेक दीक्षित के परिजनों का भरपूर आर्थिक सहयोग करने के लिए दृढ़ संकल्पित नोएडा मीडिया क्लब कार्यालय पर वरिष्ठ पत्रकार विनोद शर्मा की अध्यक्षता में पत्रकार कल्याण कोष समिति की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में स्वर्गीय विवेक दीक्षित, जो क्लब के सक्रिय सदस्य थे। उनकी हाल ही में लंबी बीमारी के बाद हुए निधन के उपरांत उनके परिवार की समस्याओं पर चर्चा की गई। बैठक से पहले, स्वर्गीय विवेक दीक्षित की 13वीं पर क्लब के अध्यक्ष पंकज पाराशर ने कार्यकारिणी सदस्यों के साथ उनके परिवार से मुलाकात की। उन्होंने परिवार को सांत्वना दी और उनकी समस्याओं को जाना। बैठक में दिवंगत पत्रकार के आश्रित परिवार की आर्थिक और सामाजिक समस्याओं के निराकरण के लिए महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। नोएडा मीडिया क्लब उनके परिवार के साथ हर संभव सहयोग के लिए तत्पर है।

सरकार में किसी भी गरीब किसान मजदूर के साथ शोषण नहीं हो सकता

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नोएडा।अखिल भारतीय सफाई मजदूर गरीब उत्थान यूनियन के राष्ट्रीय अध्यक्ष रविंद्र प्रधान एवं पूर्व केंद्रीय निगरानी समिति सदस्य सोशल जस्टिस मंत्रालय भारत सरकार का जिला बुलंदशहर ग्राम कलैना का दौरा हुआ।जहां पर हजारों ग्राम वासियों की आबादी की जमीन को चकबंदी के दरमियान ग्राम समाज में दर्शाया जा रहा था। जिसको लेकर हजारों ग्राम वासी परेशान थे जिसको लेकर ग्राम वासियों ने नोएडा आकर अपनी आबादी को बचाने के लिए रविंद्र प्रधान से बुहार लगाई थी।जिसको लेकर रविंद्र प्रधान ने दिनांक 13/1/2025 को ग्राम कलैना का दौरा किया जहां पर संबंधित सभी अधिकारियों को उपस्थित रहने के लिए पत्र जारी कर दिया था।सूचना के अनुसार सभी अधिकारी मौके पर उपस्थित रहे।जिनके बीच ग्राम वासियों की समस्या श्री रविंद्र प्रधान ने सुनी और अधिकारियों को माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी व उत्तर प्रदेश में आदित्यनाथ योगी जी मुख्यमंत्री का हवाला देते हुए कहा कि आज भारत व उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी की सरकार है और भारतीय जनता पार्टी की सरकार में किसी भी गरीब किसान मजदूर के साथ शोषण नहीं हो सकता है।उन्होंने अधिकारियों को सही दिशा समझते हुए गरीबों की आबादी की जमीन को बचाया जिसको लेकर ग्राम कलैना के सभी वासी पीड़ित थे।शादी रविंद्र प्रधान द्वारा अधिकारियों को समझाते हुए कहा गया कि गांव में अभी शिक्षा का अभाव काम है। जिसको लेकर सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं का लाभ ग्राम वासी नहीं ले पा रहे हैं जैसे की 60 साला पेंशन विधवा पेंशन और भी भारत सरकार द्वारा चलाई जा रहे हैं अन्य योजनाओं के बारे में आप महीना में काम से कम दो बार कैंप लगाकर ग्राम वासियों को समझाएंगे जिससे कि भारत सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं का लाभ हर गरीब मजदूर तक पहुंच सके साथ ही रविंद्र प्रधान द्वारा गांव में श्मशान घाट बनवाने वह बाल्मिक समाज के लिए बारात घर बनवाने हुए ग्राम वासियों को मेडिकल सुविधा उपलब्ध कराने जैसे भी निर्णय लिए गए जिन पर अधिकारियों ने अपनी सहमति जताई और जल्द ही काम शुरू कर ग्राम वासियों को लाभ देने का वादा किया ग्राम वासियों ने रवींद्र प्रधान की जय जयकार करी और रविंद्र प्रधान को धन्यवाद करते हुए कहा कि अगर आप नहीं आए होते तो हमें बेघर होना पड़ता।इस मौके पर ग्राम प्रधान संदीप चौधरी, ग्राम पूर्व प्रधान मनवीर सिंह चौधरी व अखिल भारतीय सफाई मजदूर गरीब उत्थान यूनियन से जिला बुलंदशहर अध्यक्ष अमिताभ बच्चन,स्वीटी त्यागी,भीम सिंह तंवर,दीपचंद वाल्मीकि,बेलचंद वाल्मीकि,जय किशोर वाल्मीकि, राजेश बाल्मीकि और सभी सम्मानित व्यक्ति उपस्थित रहे।

नोएडा मीडिया क्लब में ग्रेटर नोएडा प्रेस क्लब के नवनिर्वाचित अध्यक्ष एवं महासचिव का जोरदार स्वागत किया गया

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नोएडा। नोएडा मीडिया क्लब में ग्रेटर नोएडा प्रेस क्लब के नवनिर्वाचित अध्यक्ष आदेश भाटी और महासचिव रोहित प्रियदर्शन का पुष्पमालाओं से स्वागत किया गया। इस अवसर पर दोनों क्लबों के सदस्यों ने भविष्य में मिलकर कार्य करने और सहयोग बढ़ाने पर चर्चा की। बैठक में पत्रकारों के लिए आवास योजना पर गहन विचार-विमर्श किया गया और एक-दूसरे के सुझावों को साझा किया। इस मीटिंग में दोनों क्लबों ने संयुक्त प्रयासों से पत्रकारों से जुड़ी समस्याओं के समाधान के लिए संयुक्त प्रयासों करने का निर्णय लिया। इस मौके पर वरिष्ठ पत्रकार विनोद शर्मा पंकज पाराशर, सामवीर छावड़ा, ईश्वर चंद, रिंकू यादव, इकबाल चौधरी, सौरव राय,भूपेंद्र चौधरी,राजकुमार चौधरी, हरवीर चौहान मौजूद रहे।

जीएल बजाज को ठग्रोथ ऑफ रिटेंशन अवार्ड 2025 में पहला स्थान

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नोएडा। नोएडा स्थित जीएल बजाज इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट को आईईईई उत्तर प्रदेश सेक्शन इंडिया द्वारा ठग्रोथ ऑफ रिटेंशन अवार्ड 2025 की श्रेणी में प्रथम स्थान प्रदान किया गया। यह सम्मान आगरा के होटल कोर्टयार्ड बाय मैरियट में आयोजित वार्षिक आम बैठक के दौरान दिया गया। इस सम्मान को संस्थान की ओर से डीएसडब्ल्यू डॉ. महावीर सिंह नरुका, डॉ. दिनेश सिंह और डॉ. जय सिंह ने ग्रहण किया। जीएल बजाज के वाइस चेयरमैन पंकज अग्रवाल ने संस्थान के सभी संकायों को इस उपलब्धि पर बधाई देते हुए कहा कि ठइस तरह के पुरस्कार जीएल बजाज की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और उत्कृष्ट योगदान को दर्शाते हैं। यह हमारे संस्थान के लिए गर्व का क्षण है।ठ यह पुरस्कार संस्थान के बढ़ते शैक्षणिक स्तर और छात्रों की उपलब्धियों की पहचान है।

इसआरडी केयर फाउंडेशन एवं जेएसडी धर्म पब्लिक स्कूल के द्वारा दिव्यांग जनों एवं बुजुर्ग जनों को निःशुल्क उपकरण वितरण किया गया

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नोएडा। नोएडा इआरडी केयर फाउंडेशन संस्थापक संजीव भारद्वाज के सहयोग से जेएसडी धर्म पब्लिक स्कूल द्वारा पूरे नोएडा में अहम पहल चलाया जा रहा है। दिव्यांग एवं बुजुर्ग जनों को जरूरतमंद जैसे घर घर तक निःशुल्क उपकरण वितरण किया जाता है। इसी कड़ी में आज मकर संक्रान्ति के शुभ अवसर पर हल्द्वानी गांव और कुलेशरा गांव में बुजुर्ग जनों को छड़ी और जो महीनों से पेशेंट तौर पर घर में कैद रहते थे बाहर नहीं निकल पाते थे चलने में असमर्थ रहते थे ऐसे जरूरतमंद को उनके सहयोग के लिए व्हील चेयर , वाकर , वैशाखी जैसे उपकरण इआरडी केयर फाउंडेशन के सौजन्य से एवं समाज सेविका संतोष सिंह एवं हरेंद्र पाण्डेय के आर डब्ल्यू ए की पूरी टीम के द्वारा कालोनियों में उपकरण निःशुल्क वितरण किया गया। जिसमें उपस्थित इआरडी केयर फाउंडेशन से सोशल वर्कर विपुल सिंह, समाजसेविका संतोष सिंह, समाजसेवी डॉक्टर हरेंद्र पाण्डेय ,चौहान और आर डब्ल्यू ए के सभी समाजसेवियों ने अपना समय देकर कार्यक्रम में उपस्थित रहें।

मकर संक्रांति के दिन गंगा स्नान, व्रत, कथा, खिचड़ी दान और भगवान सूर्यदेव की उपासना करने का विशेष महत्व है

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नोएडा। नोएडा गाजियाबाद गोविंदपुरम बाबा मार्केट अंकित डेरी खिचड़ी भंडारे का आयोजन किया गया इस अवसर पर विश्व ब्रह्मऋषि ब्राह्मण महासभा के पीठाधीश्वर ब्रह्मऋषि विभूति बीके शर्मा हनुमान ने बताया कि मकर संक्रांति हिंदुओं का एक प्रमुख पर्व है, जो पौष मास में सूर्य के मकर राशि में प्रवेश करने पर मनाया जाता है. इस वर्ष मकर संक्रांति का पर्व 14 जनवरी को मनाया इस दिन से ऋतु परिवर्तन की शुरुआत भी होती है. मकर संक्रांति के दिन स्नान और दान-पुण्य जैसे कार्यों का विशेष महत्व होता है. इस पर्व पर खिचड़ी बनाने और खाने की परंपरा है, जिसके कारण इसे कई स्थानों पर खिचड़ी पर्व के नाम से भी जाना जाता है. यह दिन सिर्फ धार्मिक महत्व नहीं रखता, बल्कि इसका संबंध विज्ञान, कृषि और सामाजिक जीवन से भी है. मकर संक्रांति को नई ऊर्जा, नई फसल, और नई शुरुआत का प्रतीक माना जाता है. मकर संक्रान्ति के दिन दान करने का महत्व अन्य दिनों की तुलना में बढ जाता है। इस दिन व्यक्ति को यथासंभव किसी गरीब को अन्नदान, तिल व गुड का दान करना चाहिए। तिल या फिर तिल से बने लड्डू या फिर तिल के अन्य खाद्ध पदार्थ भी दान करना शुभ रहता है। धर्म शास्त्रों के अनुसार कोई भी धर्म कार्य तभी फल देता है, जब वह पूर्ण आस्था व विश्वास के साथ किया जाता है। जितना सहजता से दान कर सकते हैं, उतना दान अवश्य करना चाहिए। मकर संक्रान्ति के साथ अनेक पौराणिक तथ्य जुड़े हुए हैं जिसमें से कुछ के अनुसार भगवान आशुतोष ने इस दिन भगवान विष्णु जी को आत्मज्ञान का दान दिया था। इसके अतिरिक्त देवताओं के दिनों की गणना इस दिन से ही प्रारम्भ होती है।

राम जानकी संकट मोचन पर सजा प्रभु का दिव्य दरबार, हुआ सुंदरकाण्ड का पाठ

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र । श्री राम लला प्राण प्रतिष्ठा के एक वर्ष पूर्ण होने पर मनाए जा रहे स्थापना दिवस सप्ताह पर मंगलवार की देर शाम नगर स्थित श्री राम जानकी संकट मोचन पर सामूहिक सुंदरकांड पाठ व भव्य भंडार का आयोजन किया गया हैं । इस अवसर पर मंदिर के प्रधान पुजारी राजकुमार पाण्डेय द्वारा मन्दिर में स्थापित श्री राम दरबार की मूर्ति का भव्य श्रृंगार किया गया और फिर शांध्यकालीन दिव्य आरती हुई। इसके पश्यात मानस भजन समिति द्वारा सामूहिक सुंदर काण्ड का पाठ किया गया। वहीं मंदिर में आयोजित भंडारा देर रात तक चलता रहा जहां सैकड़ो भक्तों ने भंडारे का प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर पुजारी राज कुमार पाण्डेय, व्यवस्थापक डूंगरमल अग्रवाल, सूरज गुप्ता, गया प्रसाद सिंह, परशुराम पांडे, शिवपूजन दुबे, अशोक मोदनवाल, शिवा पांडेय, केतन, हिमांशु, देवानंद, राहुल, करन सिंह सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

बॉलीवुड/टेली मसाला

निखिल आडवानी ने बताई गोविंदा की आदत, बोले- 'सलाम-ए-इश्क की शूटिंग के दौरान वे सबसे अच्छे थे'

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। बॉलीवुड अभिनेता गोविंदा को लेकर कई सितारे अक्सर बातें करते हैं। अभिनेता को लेकर निखिल आडवाणी ने भी अब बातें कही हैं। इंडस्ट्री के कई लोग अक्सर

1990 के दशक में गोविंदा के व्यवहार के बारे में बात करते हैं। फिल्म निर्माता निखिल आडवाणी ने साझा किया कि 2007 की फिल्म सलाम-ए-इश्क के दौरान 90 के दशक के सुपरस्टार के साथ काम करने का उनका अनुभव काफी अलग था। निखिल ने बताया कि गोविंदा उस समय वापसी करने की कोशिश कर रहे थे। वे उन दिनों सबसे अच्छा व्यवहार भी करते थे। निखिल आडवाणी ने कहा कि मेरे लिए, इरफान, गोविंदा और अक्षय खन्ना ऐसे लोग हैं जिन्हें निर्देशित करने में मुझे सबसे अधिक खुशी मिली। वे अपने काम को गंभीरता से नहीं लेते। गोविंदा मुझसे पूछते थे, 'आप इस दृश्य को कैसा चाहते हैं- इतालवी, मुगलई, भारतीय, चीनी?' गोविंदा उन दिनों पार्टनर और सलाम-ए-इश्क की शूटिंग कर रहे थे इसलिए वह खुद को भी संभाल रहे थे। जब वे बहुत बुरी हालत में थे, तब सबको गलत साबित करना चाहते थे।वासु भगनानी गोविंदा के बारे में कहा कि वे हीरो नंबर 1 की शूटिंग के दौरान स्विटजरलैंड में सारी कास्ट के तीन दिन पहुंचने के बाद आए थे। तीन दिन के इंतजार के बाद जब वे आए तो उन्होंने एक ही दिन में बहुत सारा काम पूरा कर लिया था।एक बातचीत के दौरान शक्ति कपूर ने कहा कि राजा बाबू के दौरान गोविंदा रात 9 बजे ही सुबह 9 बजे की शूटिंग के लिए पहुंच जाते थे। अब वे 9 बजे की शिफ्ट के लिए 8.30 बजे आते हैं।इन फिल्मों से जाने जाते हैं गोविंदागोविंदा को फिल्म 'आंखे', 'राजा बाबू', 'कुली नंबर 1', 'जोड़ी नंबर 1', 'दूल्हे राजा', 'बड़े मियां छोटे मियां', 'अनाड़ी नंबर वन' जैसी फिल्मों के कारण जाना जाता है।

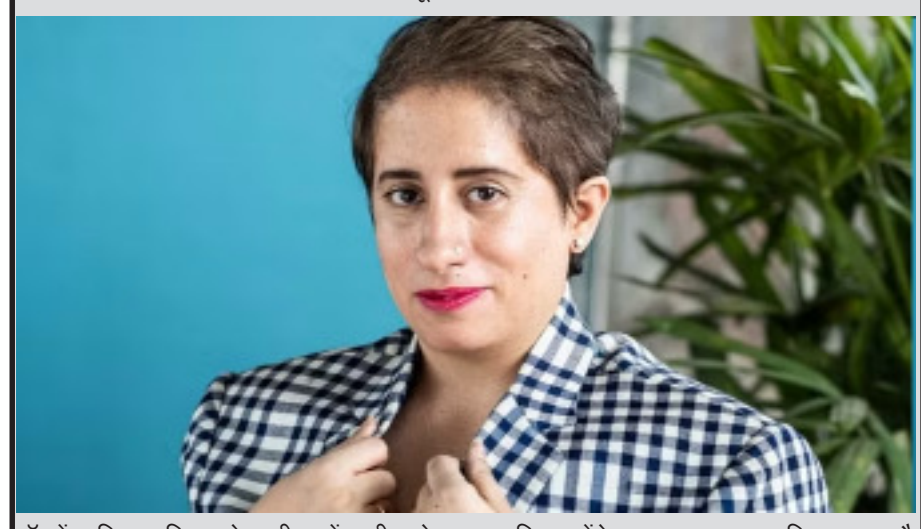

एनिमल' से अपनी फिल्म 'किल' की तुलना पर फिर बोलीं प्रोड्यूसर गुनीत, वॉयलेंस को लेकर नजरिया बताया

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। लगभग दो साल पहले बॉलीवुड में दो एक्शन फिल्में 'एनिमल' और 'किल' रिलीज हुईं। दोनों में ही वॉयलेंस दिखाया गया, ऐसे में दोनों की खूब तुलना हुईं। हाल ही में फिल्म 'किल' की प्रोड्यूसर गुनीत मोंगा ने साफ किया कि उनकी फिल्म 'किल' का

वॉयलेंस, फिल्म 'एनिमल' से काफी अलग है। गुनीत मोंगा ने बतौर प्रोड्यूसर कई बेहतरीन फिल्में अब तक बॉलीवुड में बनाई हैं। साल 2023 में उनके प्रोडक्शन तले एक फिल्म 'किल' रिलीज हुई। इस फिल्म के एक्शन को देश ही नहीं विदेश में भी सराहा गया। उसी साल रणबीर कपूर की फिल्म 'एनिमल' भी रिलीज हुईं। दोनों एक्शन फिल्में थीं तो इनकी आपस में तुलना हुई। तब भी प्रोड्यूसर गुनीत मोंगा ने अपना पक्ष रखा था। हाल ही में एक इंटरव्यू में गुनीत मोंगा ने दोबारा इस सब्जेक्ट पर बात की। साथ ही अपनी फिल्म 'किल' और 'एनिमल' में बहुत बड़ा फर्क बता दिया। हाल ही में प्रोड्यूसर गुनीत मोंगा ने फेय डिसूजा के यूट्यूब चैनल पर एक इंटरव्यू दिया। इस बातचीत में गुनीत ने बताया कि उन्होंने अपनी फिल्म 'किल' में बहुत कम ही जगह पर हिंसा या वॉयलेंस को दिखाया है। वह कहती हैं कि फिल्म 'किल' में हीरो बुरे लोगों से लड़ता है। गुनीत कहती हैं, 'हमने खून वाले सींस को अपनी फिल्म में ग्लोरीफाई नहीं किया है। हमने स्लो मोशन में खून वाले सीन नहीं दिखाए। हमने वॉयलेंस को सेलिब्रेट नहीं किया। हमारे लिए फिल्म 'किल' आर्ट का ही रूप है।'प्रोड्यूसर गुनीत मोंगा आगे कहती हैं, 'मुझे महिलाओं को एक ऑब्जेक्ट के तौर पर देखा पसंद नहीं है। मुझे यह पसंद नहीं है कि फिल्मों में महिलाओं के लिए नफरत दिखाई जाए।' फिल्म 'एनिमल' पर यही आरोप लगे थे कि उसमें महिलाओं को कमतर दिखाया गया है, उनका अपमान किया गया है जहां तक गुनीत मोंगा की फिल्म 'किल' की बात है तो उसमें हीरो का सामना ट्रेन में मौजूद कुछ लुटेरों से होता है। ये लोग, उसकी प्रेमिका को मार देते हैं। इसके बाद ट्रेन में फाइट सींस दिखाए जाते हैं। हीरो क्योंकि आर्मी ऑफिसर है तो वह लुटेरों की सारी टोली को मार देता है। फिल्म में लीड रोल में लक्ष्य नजर आए, जिन्होंने अमृत राठौर का रोल निभाया।

सलीम खान का सलमान की शादी को लेकर खुलासा, दबंग चाहते हैं कि उनकी पत्नी ऐसी हो जो

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। सलमान खान बॉलीवुड के मोस्ट एलिजिबल बैचलर है। पूरा बॉलीवुड ही नहीं बल्कि हर कोई दबंग की शादी की खबर सुनने के लिए बेकरार है। हाल ही में एक इंटरव्यू में सलीम खान ने सलमान खान की शादी को लेकर

कुछ ऐसे राज खोले, जिन्हें सुनकर आप भी हैरान हो जाएंगे। सलमान खान पिछले कई सालों से बॉलीवुड पर राज कर रहे हैं। हालांकि, उनके आने वाले प्रोजेक्ट्स के अलावा, फैंस उनकी लव लाइफ को लेकर भी उतने ही उत्सुक हैं। खास तौर पर दबंग के प्रशंसकये जानने के लिए उत्सुक रहते हैं कि सलमान कब और किससे शादी करेंगे। हाल ही में सलमान के पिता सलीम खान ने खुलाया किया की सलमान जब भी शादी करेंगे उनकी कुछ शर्तें होंगी। जब भी सलमान खान शादी के बंधन में बंधेंगे। उनकी अपनी पत्नी से कुछ खास शर्तें होंगी। वैसे कथित तौर पर सलमान का नाम बॉलीवुड की कई अभिनेत्रियों संग कई बार जुड़ चुका है, जिसमें कैटरीना कैफ से लेकर सोमी अली और संगीता बिजलानी जैसी अभिनेत्रियां शामिल हैं। सलमान ने हाल ही में अपना 59वां जन्मदिन मनाया है और वह अभी तक सिंगल हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, एक इंटरव्यू के दौरान सलमान के पिता सलीम खान ने दबंग की शादी को लेकर कहा, ठसलमान का पता नहीं क्या है...सलमान की एक तो इस वजह से शादी नहीं होती है कि थोड़ा सा विरोधाभास है। वह कमीटमेंट के बाद अपनी शर्तें रख दते हैं।आगे सलीम खान ने सलमान खान की शादी को लेकर कहा, ठसलमान का लगाओ या मोहब्बत... उस व्यक्ति की ओर आकर्षित होते हैं, जिसके साथ वह काम करते हैं। पहले कमा करते-करते बातचीत होती, फर वह लोग करीब आते हैं क्योंकि वो नजदीकी माहौल में रहते हैं। तो 90 प्रतिशत तो वह सलमान की फिल्म की ही कोई हीरोइन होती है। सलीम खान ने आगे बताया कि जब कमिटमेंट हो जाता है।

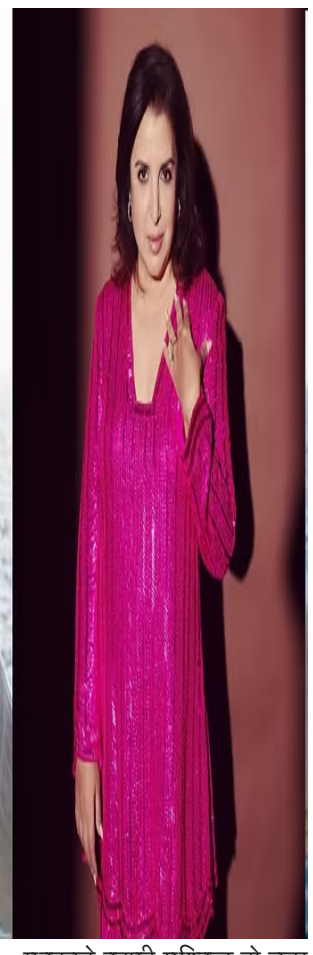

शाहरुख खान के साथ काम करना अब पहले से ज्यादा मुश्किल हो गया है', फराह खान का खुलासा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। कोरियोग्राफर और निर्देशक फराह खान ने हाल ही में शाहरुख खान के साथ काम करने का अनुभव शेयर किया

है। उनका कहना है कि किंग खान के साथ काम करना अब काफी चैलेंजिंग हो गया है। मशहूर कोरियोग्राफर और निर्माता-निर्देशक फराह खान ने इंडस्ट्री के टॉप कलाकारों के साथ काम किया है। इस लिस्ट में बॉलीवुड के किंग शाहरुख खान भी शामिल हैं। हाल ही में फराह खान ने शाहरुख के साथ काम करने का अनुभव साझा किया। साथ ही यह खुलासा किया कि ऐंख् के साथ काम कर पाना अब उनके लिए पहले के मुकाबले काफी मुश्किल हो चला है। जानते हैं इसकी वजह। फराह खान ने कहा कि जब भी वे किसी नए गाने पर साथ काम करते हैं तो हर बार प्रेशर दोहरा हो जाता है। फराह ने कहा कि साथ काम करते हुए कुछ शानदार ट्रैक तैयार हुए, इसके चलते अब जब भी साथ काम करते हैं तो पहले से ज्यादा दबाव बढ़ जाता है। फराह खान ने ईटाइम्स से बातचीत में यह खुलासा किया। फराह खान ने लंबे वक्त से चल रही अपनी दोस्ती को लेकर भी शुक्रिया अदा किया। उन्होंने बताया कि कुछ सितारों से उनकी दोस्ती उनके स्टार बनने से पहले की हैं। फराह ने बताया कि शाहरुख खान के साथ उनकी दोस्ती 'कभी हां कभी ना' और 'दीवाना' की रिलीज होने से पहले ही शुरू हो गई थी। फराह खान ने कहा कि दशकों पुरानी दोस्ती होने के बावजूद शाहरुख खान के साथ काम करना अब समय के साथ मुश्किल होता जा रहा है। उन्होंने कहा, 'अगर उस समय उनके साथ काम करना मुश्किल था, तो अब और भी मुश्किल है। जब भी हम किसी गाने पर काम करते हैं, तो दबाव दोगुना हो जाता है, क्योंकि हमने साथ मिलकर शानदार गाने बनाए हैं'। फराह ने यह भी कहा कि 'हैप्पी न्यू ईयर' के बाद दिलचस्प प्रोजेक्ट्स की कमी के चलते उन्होंने निर्देशन से ब्रेक लिया। फराह खान ने कहा कि ब्रेक के बाद उन्होंने अपने परिवार पर पूरा फोकस किया। अपने बच्चों के साथ क्वालिटी वक्त बिताया और छुट्टियां मनाईं। उन्होंने यह भी कहा कि निर्देशन में वापसी की उनकी इच्छा है, लेकिन वे कमबैक तभी करेंगी जब कोई अच्छी स्क्रिप्ट होगी और सही समय होगा। बता दें कि फराह खान ने फिल्म 'मैं हूं ना' से निर्देशन की दुनिया में डेब्यू किया। फराह ने शाहरुख खान के 'चलेया, 'दर्द-ए-डिस्को जैसे गानों को कोरियोग्राफ किया है।

एंटीक फूलदान से लेकर 25 साल पुराने काफ्तान तक, जीनत अमान ने नए साल पर साझा की अपनी पसंदीदा चीजें

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। अभिनेत्री जीनत अमान ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर अपनी मां और बचपन से जुड़ी कुछ चीजों के बारे में अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर बातें की हैं। उन्होंने बताया कि ये चीजें उनके दिल के बेहद करीब हैं। जीनत अमान ने सोशल मीडिया पर अपनी

कुछ चुनिंदा तस्वीरों के साथ नए साल पर अपनी कुछ खास चीजों की तस्वीरें साझा की हैं। उन्होंने अपनी पोस्ट में कहा कि ये वो चीजें हैं जो मेरे लिए खास हैं, उन्हीं के बारे में कुछ खास बातें हैं। जीनत अमान ने पूजा घर में सजाने वाला फूलदान साझा की है। उन्होंने कहा कि इस मूर्ति को उनकी मां की धार्मिका आस्था जुड़ी है, इसलिए उनके लिए ये बहुत खास है। इसके बाद उन्होंने फ्लॉवर पॉट की तस्वीर साझा की है। इसमें ऑर्किड के फूल लगे हैं। मुझे ऑर्किड खास तौर पर पसंद है, वे बहुत लंबे समय तक टिकते हैं और बहुत खूबसूरत होते हैं। उन्होंने लिखा, मुझे हूप बहुत पसंद है, और मेरे पास हर आकार के हूप इयररिंग्स हैं। मैं दिल से 70 के दशक की लड़की हूं? मुझे रोजाना हल्का स्नान और बॉडी वर्क का स्प्रिट पसंद है, जबकि रात में जॉय बाय डायर पसंद है। उन्होंने कहा कि ये काफ्तान भी मेरे दिल के बेहद करीब हैं। उन्होंने कहा, मैं कई दशकों से उनके बनाए कफ्तान पहनती आ रही हूं, और उनका बनाया मेरा सबसे पुराना काफ्तान तो 25 साल भी पुराना है। जीनत अमान ने अपने कुछ बैग्स की तस्वीरें भी सोशल मीडिया पर साझा की हैं। उन्होंने लिखा कि ये बैग पुराने हैं, ऐसा लग सकता है कि ये ऑनलाइन मंगाए गए हैं लेकिन ये बहुत सालों से मेरे पास है इनका इस्तेमाल आज भी मैं करती हूं। वर्कफ्रंट की बात करें तो जीनत अमान अपनी अगली फिल्म 'बन टिक्की' और 'द रॉयल्स' में नजर आ रही हैं। फिल्म का वर्ल्ड प्रीमियर 36वें पाम स्प्रिंग्स इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल 2025 में हुआ।

सैफ अली खान पर हमला, अस्पताल में भर्ती; घर में घुसकर शख्स ने मारा चाकू

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। सैफ अली खान के बांद्रा वाले घर में घुसे अज्ञात शख्स ने उन पर हमला कर दिया। उन्हें मुंबई के लीलावती अस्पताल में भर्ती

कर दिया गया है। बॉलीवुड अभिनेता सैफ अली खान पर बुधवार देर रात उनके ही घर में चाकू से हमला किया गया। इसके बाद उन्हें मुंबई के लीलावती अस्पताल में भर्ती कराया गया। उनकी हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। पुलिस ने बताया कि घटना आधी रात को अभिनेता के बांद्रा स्थित घर पर हुई। घटना की सूचना मिलने के बाद बांद्रा पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, एक अज्ञात शख्स सैफ के घर में घुसा। दोनों के बीच हाथापाई हुई। घटना के समय अभिनेता के कुछ पारिवार के अन्य सदस्य भी घर में मौजूद थे। कहा यह भी जा रहा है कि घर में घुसे शख्स की नौकरानी से बहस हुई। जब अभिनेता ने बीच-बचाव कर व्यक्ति को समझाने और शांत करने की कोशिश की, तो उसने सैफ अली खान पर हमला कर दिया। पुलिस के मुताबिक, बॉलीवुड अभिनेता सैफ अली खान पर घर में घुसे चोरों ने चाकू से हमला कर दिया है। उन्हें मुंबई के अस्पताल में भर्ती किया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है। बांद्रा के डीसीपी ने कहा, ये सच है, रात 2.30 बजे सैफ अली खान के घर में अनजान शख्स घुसा। इस दौरान सैफ अली खान पर चोर ने चाकू से हमला कर दिया। डीसीपी ने बताया कि इसके बाद उन्हें मुंबई के लीलावती अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हालांकि, ये चोटें उतनी गंभीर नहीं हैं। अभी तक यह स्पष्ट नहीं है कि उन्हें चाकू मारा गया है या वे हाथापाई में घायल हुए हैं। एएनआई के मुताबिक, यह झगड़ा सैफ अली खान की काम वाली से हो रहा था। सैफ अली खान ने जब इस झगड़े में बोला तो शख्स ने उन पर ही हमला कर दिया। बता दें कि सैफ अली खान का बांद्रा में सतगुरु शरण बिल्डिंग में उनका आलीशान 3 बेडरूम अपार्टमेंट है, जिसमें छत, बालकनी और स्विमिंग पूल भी है। इसमें सैफ करीना कपूर खान और बच्चे तैमूर और जेह भी उनके साथ रहते हैं।

डेयरडेविल बॉर्न अगेन का ट्रेलर रिलीज, शानदार वापसी को तैयार चार्ली कॉक्स और विंसेंट डी'ऑनफ्रियो

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली।डेयरडेविल बॉर्न अगेन का पहला ट्रेलर हाल ही में रिलीज हुआ है। इसमें चार्ली कॉक्स एक

बार फिर डेयरडेविल के रूप में लौटे हैं। यह सीरीज 4 मार्च 2025 को डिज्नी+ पर रिलीज होगी। मार्वल के फैंस के लिए एक बड़ी खबर सामने आई है। बहुप्रतीक्षित डिज्नी+ सीरीज डेयरडेविलः बॉर्न अगेन का पहला ट्रेलर रिलीज हो चुका है। फैंस के बीच यह ट्रेलर खूब सुर्खियां बटोर रहा है। इस ट्रेलर में चार्ली कॉक्स एक बार फिर मैट मर्डॉक उर्फ डेयरडेविल के रूप में नजर आए हैं। यह सीरीज नेटफ्लिक्स पर उनकी पिछली सीरीज से आगे बढ़ती नजर आएगी। यह 4 मार्च 2025 को रिलीज होगी। इसमें कई पुराने किरदारों की वापसी देखने को मिलेगी।शो में विन्सेंट डी'ऑनफ्रियो एक बार फिर अपने किरदार किंगपिन के रूप में लौट रहे हैं। इसके अलावा जॉन बर्नथल भी फ्रैंक कैसल के रूप में वापसी कर रहे हैं। इन दोनों की वापसी सीरीज को नया मोड़ देने के लिए अहम साबित होगी। शो में किंगपिन और डेयरडेविल की नई साझेदारी एक खतरनाक और खलनायक म्यूज से निपटने के लिए बनाई गई है। इस ट्रेलर में म्यूज की भी झलक देखने को मिलती है जो एक डरावनी सफेद मास्क पहनता है और उसकी आंखों से खून बहता है। म्यूज का किरदार साल 2016 के डेयरडेविलक्ष11 में पेश किया था। ट्रेलर में दर्शकों को खून-खराबे और जबर्दस्त एक्शन की झलक मिलती है, जहां डेयरडेविल पुराने अपराधियों के खिलाफ लड़ते हुए नजर आता है। उसका लुक और लड़ाई के अंदाज में कोई बदलाव नहीं आया है। उसकी यही बात फैंस के लिए काफी ज्यादा खास है। इसके अलावा विल्सन बेटल भी बुल्सआई के रूप में इस सीरीज के जरिए वापसी कर रहे हैं।

ठंडे बस्ते में गई 'फतेह', गेम चेंजर का भी बुरा हाल, जानें फिल्मों का बॉक्स ऑफिस कलेक्शन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली।सोनू सूद और राम चरण दोनों अभिनेताओं की अदाकारी का जलवा सिनेमाघरों में नहीं चल पा रहा है। दोनों की फिल्में बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप होती नजर आ रही है। सोनू सूद और राम चरण दोनों ही अभिनेताओं का जादू बॉक्स ऑफिस पर नहीं चल सका है। फिल्म फतेह और गेम चेंजर दोनों ही बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप साबित हो रही हैं। फिल्म की रिलीज को एक हफ्ता होने आया लेकिन फिल्में कुछ खास कमाई नहीं कर सकी हैं। राम चरण की गेम चेंजर की रिलीज को 6 दिन हो गए हैं। फिल्म ने रिलीज के 6वें दिन यानी बुधवार को 6.50 करोड़ रुपये की कमाई ही बॉक्स ऑफिस पर की है। इस

फिल्म की कमाई में मंगलवार की तुलना में काफी गिरावट दर्ज की गई। 450 करोड़ रुपये में बनी फिल्म बॉक्स ऑफिस पर 112.65 करोड़ रुपये ही कमा सकी है। गेम चेंजर की कहानी कार्तिक सुब्बाराज ने लिखी है। फिल्म में राम चरण, कियारा आडवाणी, अंजलि, एसजे सूर्या, श्रीकांत, जयराम और नवीन चंद्रा अहम भूमिकाओं में हैं। फिल्म में राम चरण एक आईएएस अधिकारी की भूमिका निभाई हैं। सोनू सूद की फिल्म 'फतेह' ने 1 करोड़ रुपये ही बॉक्स ऑफिस पर कमाए हैं। फिल्म सिनेमाघरों में कुछ खास नहीं कर पा रही है। इस फिल्म ने कुल 10.20 करोड़ रुपये की कमाई की है। 'फतेह' की कहानी एक स्पेशल ऑपरेशन अधिकारी के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसका किरदार सोनू सूद ने निभाया है, जो एक साइबर क्राइम सिंडिकेट से लड़ते हुए अपने बीते हुए कल का सामना करते हैं। जैकलीन फर्नांडीज ने एक हैकर का किरदार निभाया है, जो सोनू के साथ इस सफर में उनका साथ देती हैं।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डा0 दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र.) 211002 से मुद्रित एवं सी-41 यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज। (उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।
सम्पादक/प्रकाशक
डा0 पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगे।